फाल्गुन शुक्ल पक्ष- 14, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 237 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल, सोमवार 02 मार्च 2026

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

ईरान के एक हजार ठिकानों पर बमबारी

लक्ष्य हासिल करने तक जारी रहेंगे हमले : ट्रंप

हिज्बुल्ला ने इजरायल पर रॉकेट दागे

पकिस्तान के बाद कुवैत में अमेरिकी दूतावास पर हमला

अमेरिका के 3 सैनिकों के मरने की पुष्टि

कच्चे तेल की कीमत 80 डॉलर प्रति बैरल पहुंची

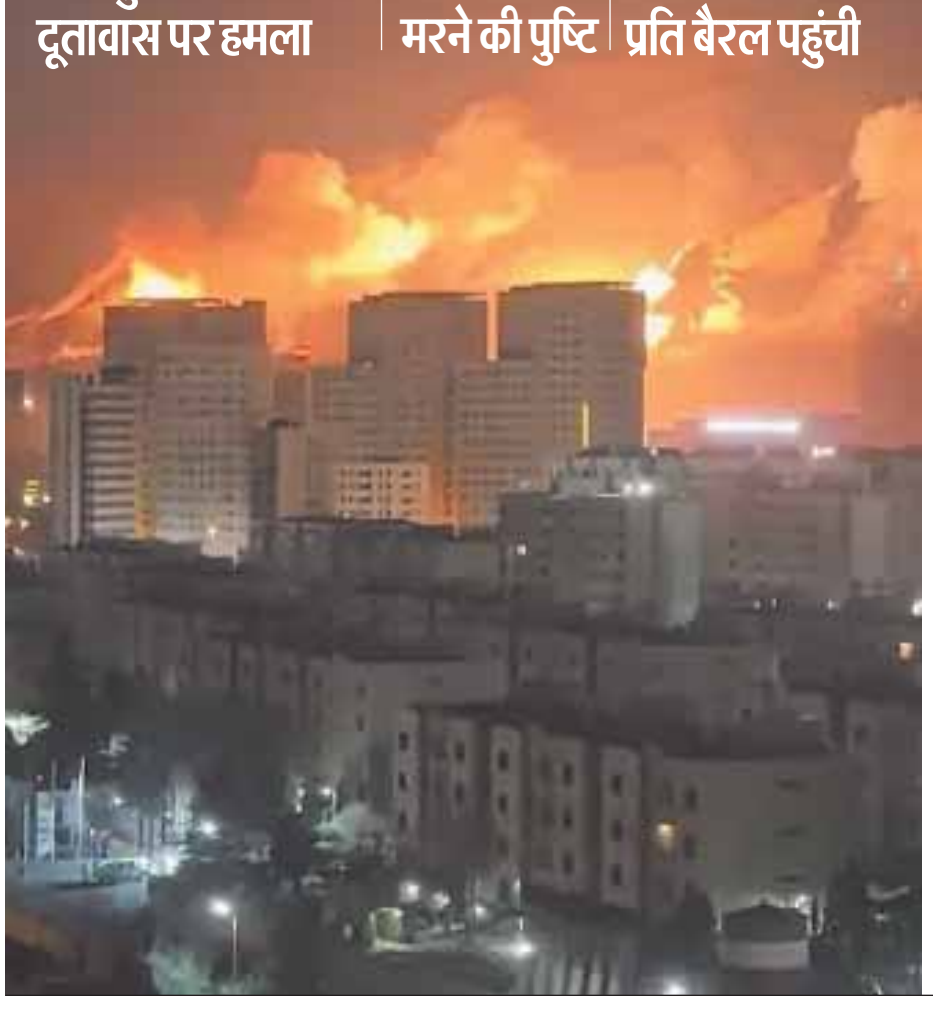

महासंग्राम... कुवैत में अमेरिका का फाइटर जेट क्रैश

धमाकों से दहला दुबई

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

इजराइल-अमेरिका और ईरान जंग का आज तीसरा दिन है। इस बीच कुवैत में अमेरिका का एक फाइटर जेट क्रैश हो गया है। वहीं, दुबई में दोबारा धमाकों की खबरें सामने आईं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एयर डिफेंस सिस्टम ने कुछ संदिग्ध ड्रोन और मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया गया। यहां सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। पूरी दुनिया के हजारों लोग वहाँ फंसे हुए हैं। इससे लगभग 16 घंटे पहले दुबई के पोर्ट और बुर्ज खलीफा के पास हमला हुआ था। इस जंग में अब लेबनान का उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह भी शामिल हो गया है। उसने इजराइल में कई जगहों पर बमबारी की है। दूसरी तरफ इजराइल ने बॉर्डर से लगे लेबनान, दहियाह और राजधानी बेरूत के 50 गांव खाली करा लिए हैं।

दहियाह को हिज्बुल्लाह का गढ़ माना जाता है। 2024 में इस इलाके पर कई बार हमला हुआ था और उसके बाद भी कई बार हमले हुए। उस साल नवंबर में सीजफायर हुआ था। इजराइल पर आरोप है कि उसने समझौते का पालन नहीं किया और हमले जारी रखे। इजराइल का कहना है कि हिज्बुल्लाह फिर से हथियार जुटा रहा है और लेबनानी सरकार उसे रोकने के लिए कदम नहीं उठा रही। अल-जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और इजराइल ने मिलकर अब तक ईरान के 1000 से ज्यादा ठिकानों पर हमले किए हैं। 250 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

लेबनान में 31 की मौत निशाने पर हिज्बुल्लाह

ईरान के समर्थन में आए हिज्बुल्लाह पर इजरायल ने जवाबी हमला बोला है। हिज्बुल्लाह के रॉकेट हमले के बाद इजरायल ने लेबनान में उसके ठिकाने पर हवाई हमला किया है। इसमें 31 लोग मारे गए हैं। हिज्बुल्लाह के हमलों के जवाब में इजरायल ने आयरन बीम लेजर वेपन का पहली बार इस्तेमाल किया है। लेबनान ने कहा 149 लोग घायल हो गए हैं।

मिला ब्रिटेन, फ्रांस का साथ

ईरान की मिसाइलों की बारिश के बीच ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी ने ऐलान किया है कि वे ईरान के खिलाफ अपने हितों की रक्षा करेंगे। अब अमेरिकी सेना ब्रिटिश अड्डों से ईरान के मिसाइल ठिकानों पर हमला कर सकेगी। तीनों देशों के नेताओं ने संयुक्त बयान जारी कर दिया है।

अमेरिकी एफ-15 जेट का पायलट बचा

अमेरिका का एक एफ-15 लड़ाकू विमान हादसे का शिकार हो गया, लेकिन पायलट ने समय रहते इजेक्ट कर अपनी जान बचा ली। बताया जा रहा है कि विमान सैन्य ऑपरेशन के दौरान गिरा। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि हादसा तकनीकी खराबी से हुआ या किसी हमले की वजह से। फाइटर जेट का पायलट जिंदा है। कुवैत से एक वीडियो सामने आया है जिसमें उसे दिखाया गया है। स्थानीय लोगों ने उसे अपनी कार में बैठाया हुआ है। वे अमेरिकी पायलट को सुरक्षित जगह पर ले जा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में कर्फ्यू जैसे हालात

खामेनेई की मौत के विरोध शिया समुदाय देश के कई शहरों में विरोध प्रदर्शन कर रहा है। जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में आज कर्फ्यू जैसे हालात हैं। श्रीनगर के लालचौक पर बैरिकेडिंग की गई है। एक्स्ट्रा फोर्स भी तैनात किया गया है। एहतियात के टूर पर इंटरनेट बंद कर दिया गया है। इधर दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिसके चलते पैसेंजर फंसे हुए हैं। पैसेंजर्स का कहना है कि मिडिल ईस्ट जाने वाली सभी फ्लाइट्स कैंसिल हो रही हैं। रमजान के दौरान मक्का और मदीना की यात्रा करना मुश्किल हो गया है।

भारत के पास अभी तेल का स्टॉक, मार्केट बदलने के विकल्प

ईरान पर इजरायल-अमेरिका की स्ट्राइक के बाद पश्चिम एशिया में जियोपॉलिटिकल टेंशन बढ़ गया है। खासकर होर्मुज स्ट्रेट के आसपास माहौल ज्यादा तनावपूर्ण है। ऐसे में माना जा रहा है कि भारत इस संकट से निपटने के लिए तैयार है। भारत सरकार के पास स्ट्रैटेजिक रिजर्व और सप्लाई विभिन्न विकल्प हैं। इसकी वजह से तुरंत एनर्जी सप्लाई में कोई संकट आने का खतरा नहीं है। हालांकि, स्थिति लंबे समय तक खिंचती है तो मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इसकी वजह इंटरनेशनल मार्केट में तेल की कीमतों में बढ़ोतरी होगी। सरकारी अधिकारियों का कहना है कि भारत के पास अभी शॉर्ट-टर्म रुकावटों को मैनेज करने के लिए काफी बफर स्टॉक हैं। स्ट्रैटेजिक रिजर्व लगभग 15 दिनों तक एलपीजी और एलएनजी की डिमांड को सपोर्ट कर सकते हैं। सप्लाई में रुकावट की स्थिति में कच्चे तेल के रिजर्व के 45 दिनों तक चलने का अनुमान है। होर्मुज स्ट्रेट को लेकर दुनिया भर में चिंताएं बढ़ रही हैं। यह एक अहम समुद्री चोकपॉइंट है। इससे भारत के कच्चे तेल और लिक्विफाइड नेचुरल गैस इंपोर्ट का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। लंबे समय तक रुकावट या बंद होने की स्थिति में भी भारत के पास घरेलू डिमांड को पूरा करने के लिए अपनी मार्केट बदलने के विकल्प हैं। वह दूसरे देशों से अपनी एनर्जी सप्लाई को पूरा कर सकता है।

न्यूज विंडो

नौकरी और लोन के नाम पर 47 लाख की ठगी

राजगढ़। शासकीय सेवा में नौकरी और विभागीय ऋण दिलाने का झांसा देकर बेरोजगार युवाओं से लाखों रुपये ऐंठने का बड़ा मामला सामने आया है। राजगढ़ कोतवाली पुलिस ने कृष्ण मोहन वर्मा उर्फ बंटी वर्मा के खिलाफ दो अलग-अलग प्रकरणों में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।आरोप है कि उसने 10 लोगों से करीब 36 लाख रुपये की राशि हड़प ली। पुलिस का कहना है कि अन्य शिकायतों की भी जांच की जा रही है और साक्ष्य मिलने पर और प्रकरण दर्ज हो सकते हैं।

जालंधर में गड्ढे में गिरा बाइक सवार युवक, मौत

जालंधर। पंजाब के जालंधर के गांव कंगनीवाल में हादसे में बाइक सवार युवक की जान चली गई। गांव में पुली निर्माण के लिए करीब 15 फीट गहरा गड्ढा खोदा गया था, लेकिन उसके आसपास किसी प्रकार की बैरिकेडिंग या चेतावनी संकेत नहीं लगाए गए थे। अंधेरा होने से युवक को गड्ढा दिखाई नहीं दिया और वह उसमें जा गिरा। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

भोपाल की 29 शराब दुकानों की नीलामी आज

भोपाल। भोपाल की 29 शराब दुकानों की नीलामी आज हो रही है। इनकी रिजर्व प्राइस करीब 520 करोड़ रुपए रखी गई है। वहीं, सभी 87 शराब ठेकों की रिजर्व प्राइस 1432 करोड़ रुपए है। प्रदेश में राज्य सरकार ने नई आबकारी नीति लागू कर दी है। नई व्यवस्था में शराब दुकानों को छोटे-छोटे समूहों में बांटा है।

ऐसी अराजकता पर जिम्मेदारी से कैसे बच सकते हैं मंत्री ? - पेज 8 पर जारी

आज का कार्टून

बड़वानी में मोहन सरकार की कृषि कैबिनेट

मछली उत्पादन बढ़ाने का टारगेट, नई नीति को मंजूरी

सेंधवा. एजेंसी

डॉ. मोहन यादव सरकार की अध्यक्षता में पहली कृषि कैबिनेट आज बड़वानी के नागलवाड़ी स्थित शिखरधाम में हो रही है। भीलटदेव मंदिर की तलहटी पर बने 8 एकड़ गार्डन को अस्थाई मंत्रालय को स्वरूप दिया गया है। यहां कृषि आधारित प्रदर्शनी, ग्रीन रूम, कैबिनेट हॉल और भोजनशाला के लिए विशाल एयर कंडीशनर शेड तैयार किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने जनजाति लोक उत्सव भगोरिया के अवसर पर बड़वानी के नागलवाड़ी में लोकदेवता भीलट देव की पूजा की।

एमपी में मछली उत्पादन से जुड़े कारोबार में निवेश को 1600-1700 करोड़ रुपए तक ले जाने के लिए सरकार नई मत्स्य पालन नीति लाने जा रही है। कृषि कैबिनेट बैठक में इसे मंजूरी मिली है। नई नीति में मछली उत्पादकों को कोल्ड चेन में निवेश, मार्केटिंग स्ट्रक्चर तैयार करने, रेफ्रिजरेटेड वैन खरीदने और मछलियों के फीड प्लांट लगाने पर 40% तक सब्सिडी देने का प्रावधान होगा। कृषि वर्ष 2026-27 में यह सरकार का दूसरा बड़ा फैसला है।

कैबिनेट में इन प्रस्तावों पर चर्चा: उड़द प्रोत्साहन योजना 2026 में उड़द किसानों को एमएसपी के अतिरिक्त 600 रुपए प्रति क्विंटल बोनस का सीधा लाभ मिलेगा जिससे लगभग 3 लाख हेक्टेयर संभावित बोनी क्षेत्र बढ़ जाएगा।

सरसों के लिए भावांतर योजना- : सरसों की फसल की सही कीमत सुनिश्चित करने के लिए भावांतर योजना में शामिल करने का प्रस्ताव केन्द्र को भेजा जा चुका है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा पोषण मिशन के तहत साथ धान, गेहूं, दलहन, मोटा अनाज एवं नगदी फसलों का विस्तार किया जाएगा।

हैदराबाद हाउस में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से मिले पीएम मोदी

तीन साल बाद लिखी जा रही रिश्तों की नई इबारत

हैदराबाद. एजेंसी

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की आज मुलाकात दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई। दोनों नेताओं के बीच व्यापार, ऊर्जा और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में वार्ता हुई। यह बैठक इसलिए भी खास है, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों के तनाव के बाद दोनों देश अपने रिश्तों को एक नई शुरुआत देने की कोशिश कर रहे हैं। साल 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के आरोपों के बाद भारत और कनाडा के रिश्तों में काफी कड़वाहट आ गई थी। मार्क कार्नी के प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा है, जिसे दोनों देशों के बीच डिप्लोमैटिक रिसेट माना जा रहा है।

बातचीत से निकले समाधान: मोदी

पश्चिमी एशिया में जारी तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हालात को चिंताजनक बताते हुए शांति और संवाद का रास्ता अपनाने की अपील की है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा कि मौजूदा संकट का समाधान केवल बातचीत और कूटनीतिक प्रयासों से ही संभव है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत हमेशा से शांति, स्थिरता और संवाद का समर्थक रहा है। उन्होंने दोहराया कि किसी भी तरह के सैन्य टकराव से क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ती है, जिसका असर वैश्विक स्तर पर भी पड़ सकता है। ऐसे में सभी पक्षों को संयम बरतना चाहिए।

पीपुल्स कैम्पस को फिर बम से उड़ाने की धमकी, चला तलाशी अभियान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

यहां स्थित पीपुल्स यूनिवर्सिटी को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद पुलिस, बम डिस्पोजल और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचे हैं। ऐहतियातन यूनिवर्सिटी परिसर को खाली कराया गया है। निशातपुरा टीआई मनोज पटवा सहित थाना स्टाफ ने यूनिवर्सिटी पहुंचकर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। क्लासरूम, हॉस्टल, पार्किंग समेत सभी जगहें खंगाली जा रही हैं। धमकी भरे ई-मेल में लिखा था - आपके कॉलेज में सायनाइड पॉइजन वाले बम रखे गए हैं, जो दोपहर 12:15 बजे ब्लास्ट करेंगे। सुबह 11 बजे तक डॉक्टरों और स्टूडेंट्स को निकाल लें। अल्लाह हू अकबर। पुलिस ने ई-मेल आईडी और आईपी एड्रेस के आधार पर जांच शुरू कर दी है। साइबर सेल को भी मामले में शामिल किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, जल्द ही धमकी देने वाले की पहचान कर ली जाएगी। इससे पहले 19 फरवरी को भी पीपुल्स मेडिकल कॉलेज को ई-मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। उस समय भी पुलिस और बम स्क्वॉड ने जांच अभियान चलाया था। तब भी पूरे पीपुल्स निवर्सिटी परिसर को खाली कराकर सघन तलाशी अभियान चलाया गया था। हालांकि, परिसर में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला था।

उन्नाव में एक्सप्रेस-वे पर खड़े ट्रक से टकराई बसें, 3 की मौत

उन्नाव. एजेंसी

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर सिरधरपुर और देवखरी गांव के पास मथुरा और आगर डिपो की दो रोडवेज बसें एक ही ट्रक में भीड़ गईं। हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई जबकि दोनों बसों के 31 यात्री घायल हो गए। दोनों घटनाएं चालक को झपकी आने से बताई जा रही हैं। एक्सप्रेसवे पर रविवार रात 12 बजे एक ट्रक किलोमीटर संख्या 226 सिरधरपुर गांव के सामने सड़क घेरकर खड़ा था। रात करीब 12 आगरा फोर्ट की एक अन्य बस खड़े ट्रक में पीछे से भिड़ गई। हादसे में 14 सवारी घायल हो गईं।

भगवाकरण के आरोपों से जूझती भाजपा और शिक्षा तंत्र पर हावी वामपंथी विचारक

हाल के दिनों में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से जुड़े दो मुद्दों पर विभाग के मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की भूमिका को लेकर केंद्र की मोदी सरकार और भाजपा तथा आरएसएस के वैचारिक अधिष्ठानों पर गहरी आंच आई है। इन दोनों ही मसलों पर देश की सर्वोच्च अदालत के अंतरिम फैसलों और नाराजगी के चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हस्तक्षेप तक की नौबत आ गई।

नजरिया

राजेश सिरोठिया

पहला मुद्दा था यूजीसी के उस रेगुलेशन का जिसमें जातिगत भेदभाव को लेकर आरक्षित और अनारक्षित वर्ग छात्रों के बीच खाई पैदा करने की कोशिश की गई। इससे संपूर्ण हिन्दू समाज को एक प्लेटफॉर्म पर लाने और सामाजिक समरसता की प्रधानमंत्री मोदी से लेकर आरएसएस तक की कवायद को गहरा धक्का लगा। प्रकारांतर से यूजीसी के इस फरमान ने कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी की उन कोशिशों को हवा दी जिसके तहत वह जातिगत जनगणना जैसे मुद्दे छेड़कर हिंदुत्व के एजेंडे को नाकाम करने की कोशिश लंबे समय से कर रहे हैं।

यूजीसी के रेगुलेशन पर सुप्रीम कोर्ट के विद्वान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने रोक लगा दी। उधर, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और उनके विभाग के जिम्मेदार कारिंदों ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि यह विनियमन गाइड लाइन सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व चीफ जस्टिस गवई के निर्देशों के तहत ही तैयार की गई थी। लेकिन, वे यह नहीं बता सके कि उसका शब्दशः पालन करने की बजाए शिक्षा मंत्रालय या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में पुर्नविचार याचिका लगाने की जहमत क्यों नहीं उठाई। यह क्यों नहीं कहा कि इससे छात्रों के बीच तकरार के हालात पैदा होंगे। जहां तक आरक्षित वर्गों का सवाल है तो उसके लिए देश में संविधान के तहत बने एससीएसटी एक्ट में पहले से पर्याप्त प्रावधान हैं। यूजीसी के रेगुलेशन के तहत तो विश्वविद्यालयों या कॉलेजों में छात्रों के बीच वैमनस्यता बढ़ेगी।

इस बारे में साफ स्टैंड लेने के बजाए एनसीआरटी ने आठवी कक्षा के पाठ्यक्रम में भारतीय न्यापालिका के भ्रष्टाचार के लेख शामिल करके सुप्रीम कोर्ट के कुपित कर डाला। चीफ जस्टिस सूर्यकांत के इन सवालों और दलीलों में दम है कि देश के नौनिहालों के सामने भारतीय न्यायपालिका को भ्रष्ट बताकर आखिर क्या संदेश देने की कोशिश है। उनके कोमल मन में न्यापालिका को लेकर पूर्वाग्रह या दुराग्रह पैदा करने के पीछे आखिर उसकी क्या मंशा थी? चीफ जस्टिस की नाराजगी और माफी को पर्याप्त नहीं मानने और कड़े रूख के बाद सरकार ने किताब के उस लेख को वापस बुलाया और बाजार से किताब उठवा ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के प्रति नाराजगी जताते हुए इसके लिए जिममेदार एनसीआरटी के तथाकथित विव्दान शिक्षा विदों की जवाबदेही तय करने को कहा है। पर क्या सिर्फ इतना ही काफी है। शिक्षा मंत्री जैसे जिम्मेदार मंत्री या उनके अधीन कार्यरत नौकरशाहों की जवाबदेही आखिर कौन तय करेगा? इससे उलट धर्मेंद्र प्रधान और उनके विभाग के अफसर इसका ठीकरा प्रधानमंत्री दफ्तर के अफसरों पर फोडने का प्रयास कर रहे हैं। जबकि यह सब जानते हैं कि प्रधानमंत्री कार्यालय नीति निर्धारण और महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा करता है ताकि समय रहते किसी संभावित गड़बड़ी को रोका जाए। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या सारा ठीकरापीएमओ के सिर फोडक़र शिक्षा मंत्री अपनी जिम्मेदारी से बच सकते हैं? वह भी तब जब राष्ट्रपति को भी सीधे एजेंसी को निर्देश देने के लिए विवश होना पड़ा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के लिए इससे ज्यादा शर्मनाक हालात और क्या होंगे।

जिम्मेदारी से कैसे बच सकते हैं मंत्री ... पेज-8 पर जारी

निर्धारित मुहूर्त में होगा पूजन, प्रमुख स्थानों पर शुभ समय में प्रज्वलित की जाएगी अग्नि

आज देर रात होगा होलिका दहन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में इस वर्ष भी होली पर्व को लेकर व्यापक तैयारियां शुरू हो गई हैं। शहर में 1500 से अधिक स्थानों पर होलिका दहन प्रस्तावित है। नगर निगम और प्रशासन की निगरानी में विभिन्न वार्डों में व्यवस्थाएं अंतिम चरण में हैं। कई इलाकों में परंपरानुसार निर्धारित मुहूर्त के अनुसार होलिका दहन किया जाएगा, जबकि प्रमुख स्थानों पर देर रात शुभ समय में अग्नि प्रज्वलित की जाएगी। इस वर्ष भी पर्यावरण संरक्षण और गोवंश संवर्धन को ध्यान में रखते हुए गोकाष्ठ से होलिका दहन को बढ़ावा दिया जा रहा है। गोकाष्ठ संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण समिति द्वारा शहर में 47 विक्रय केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। बता दें, ज्योतिष मठ संस्थान ने हाल ही में आयोजित वेब संगोष्ठी में देश भर के पंचांगकर्ताओं और ज्योतिषियों ने सर्वसम्मति से 2 मार्च की रात में होलिका दहन और 4 मार्च को रंगोत्सव मनाने का निर्णय लिया है। संस्थान के संचालक पंडित विनोद गौतम ने बताया कि सभी पंचांगकर्ताओं और विद्वानों ने यह तय किया है कि 2 मार्च की रात 2 बजे के बाद भद्रा पुच्छकाल समाप्त होने पर होलिका दहन किया जाएगा। 3 मार्च की रात तक पूर्णिमा समाप्त होकर प्रतिपदा तिथि लग जाएगी। साथ ही उस दिन ग्रहण का सूतक प्रभावी रहेगा। शास्त्रों में ग्रहणकाल की रात को दूषित माना गया है, जिससे होलिका दहन अशुभ फल देने वाला माना जाता है।

सामाजिक समरसता के कार्यक्रम भी: कई वार्डों में जनप्रतिनिधियों और स्थानीय समितियों द्वारा सर्वधर्म सहभागिता के साथ होलिका दहन की तैयारी की जा रही है। बीते वर्षों की तरह इस बार भी विभिन्न समुदायों की सहभागिता से सामाजिक सद्भाव का संदेश देने की पहल की जाएगी।

प्रमुख क्षेत्रों में चल समारोह की तैयारी

इस के अवसर पर शहर के पुराने और नए इलाकों में 4 मार्च के जुलूस निकलेंगे। दयानंद चौक, जुमेराती, करोद, कोलार, संत नगर और भेल क्षेत्र सहित विभिन्न स्थानों पर रंग-गुलाल के कार्यक्रम आयोजित होंगे। हिंदू उत्सव समिति द्वारा दयानंद चौक से पारंपरिक होली चल समारोह निकाला जाएगा, जिसमें राधा-कृष्ण और भोलेनाथ की आकर्षक झांकियां शामिल होंगी।

आधुनिक इंटूमेंट सिस्टम से उड़ान दूसरे एयरपोर्ट पर डायवर्ट नहीं होती

राजा भोज एयरपोर्ट पर लगाया महानगरों जैसा सिस्टम, कराई जाएगी 'हाईटेक' लैंडिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजा भोज एयरपोर्ट पर आधुनिक इंटूमेंट लैंडिंग सिस्टम लगाया गया है। इसी कारण इस बार घने कोहरे एवं खराब मौसम के बावजूद अधिकांश उड़ानें समय पर लैंड हुईं। इस बार मौसम की वजह से एक भी उड़ान दूसरे एयरपोर्ट पर डायवर्ट नहीं हुई। कुछ समय पहले तक रनवे विजुअल रेंज (आरवीआर) रनवे पर लगी लाइटिंग की मदद से 550 मीटर तक दृश्यता होने पर विमान लैंड हो पाते थे। इससे कम दृश्यता होने पर विमानों को अक्सर निकटतम एयरपोर्ट पर डायवर्ट कर दिया जाता था। एयरपोर्ट अथॉरिटी के अनुसार वर्तमान में दिल्ली, मुंबई सहित देश के चुनिंदा एयरपोर्ट पर ही भोपाल से अपग्रेड आईएलएस सिस्टम लगा है।

भोपाल मध्यप्रदेश का पहला ऐसा एयरपोर्ट है, जहां अत्याधुनिक अपग्रेडेड आईएलएस सिस्टम स्थापित है। अब रनवे सेंट्रल लाइन का उपयोग शुरू हो गया है। पायलटों को सेफ लैंडिंग में मदद मिल रही है। इसकी मदद से विमानों को ट्रैफिक क्षेत्र में आते ही रनवे नजर आ रहा है, जिससे सुरक्षित लैंडिंग हो रही है। बताया गया कि लंबे अर्से बाद इस बार दिसंबर एवं जनवरी माह में भोपाल की उड़ानें डायवर्ट नहीं हुईं। दूसरे शहरों की उड़ानें डायवर्ट होकर भोपाल में लैंड हुईं। उन्होंने बताया कि अब नए इंटूमेंट लैंडिंग सिस्टम के लगने से 350 मीटर दृश्यता होने पर भी विमान लैंड हो रहे हैं। जनवरी में ऐसे अवसर भी आए, जब दृश्यता 200 से 250 मीटर तक थी। ऐसे समय में भी नए सिस्टम की मदद से उड़ानें लैंड करवाई गईं। यदि यह सिस्टम न होता तो उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ता।

टायर फटने की घटनाएं नहीं होंगी

रनवे री-कार्पेटिंग होने से विमानों के टायर फटने की घटनाओं पर रोक लग जाएगी। हालांकि नए टर्मिनल पर एक बार टायर फटने की घटना के बाद री-कार्पेटिंग कराई गई थी। इसके बाद कोई ऐसी घटना नहीं हुई है, लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से अथॉरिटी विस्तार के बाद पूरे रनवे की री-कार्पेटिंग एवं मार्किंग कराने का निर्णय लिया है।

वाइड बॉडी विमान लैंड हो सकेंगे

रनवे विस्तार के बाद वाइड बॉडी विमान भी आसानी से लैंड हो सकेंगे। हाल ही में एयरपोर्ट अथॉरिटी ने रनवे टर्नपैड को चौड़ा किया है। अब विमान बोइंग ईबी-777 भी आसानी से लैंड हो सकते हैं। विमानों को मोड़ते समय वाइड एंगल की जरूरत होती है। रनवे विस्तार के बाद भारी-भरकम नेक्स्ट जनरेशन विमान भी लैंड हो सकेंगे। भविष्य में लंबी दूरी की अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी आसानी से लैंड हो सकेंगी। एयरपोर्ट को इंटरनेशनल दर्जा मिल चुका है। इसी साल एक इंटरनेशनल उड़ान शुरू होने की संभावना है। एयरपोर्ट अथॉरिटी रनवे विस्तार के साथ ही एप्रैन विस्तार भी करेगी। वर्तमान में यहां 17 विमानों की पार्किंग है। भविष्य में यहां करीब दो दर्जन विमान पार्क हो सकेंगे। नाइट पार्किंग क्षेत्र विकसित होगा। इस समूचे काम पर करीब 250 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

3416 मीटर लंबा होगा रनवे

राजा भोज एयरपोर्ट की तस्वीर अगले तीन साल में बदलने वाली है। इंटरनेशनल एयरपोर्ट का दर्जा मिलने के बाद अब इसके रनवे के विस्तार की योजना है। लंबे समय बाद रनवे री-कार्पेटिंग का काम भी होगा। यह काम होने से भविष्य में वाइड बॉडी विमानों की सुरक्षित लैंडिंग भी संभव होगी। एप्रैन एवं पार्किंग क्षमता में बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। इस काम में एयरपोर्ट अथॉरिटी अगले तीन साल में करीब 250 करोड़ रुपये खर्च करेगी। एयरपोर्ट के वर्तमान रनवे की लंबाई 2744 मीटर है। यह लंबाई बढ़ाकर 3416 मीटर करने का प्रस्ताव है। एयरपोर्ट अथॉरिटी के पास इसके लिए अतिरिक्त जमीन पहले से ही उपलब्ध है। रनवे-12 की दिशा में विस्तार शुरू होगा। सन 2009 में नए टर्मिनल के निर्माण के समय अथॉरिटी ने भविष्य की जरूरतों को देखते हुए राज्य शासन के सहयोग से जमीन अधिग्रहित की थी। इस कारण अथॉरिटी को विस्तार में कोई परेशानी नहीं होगी। रनवे विस्तार का काम पूरा होने के बाद पूरे रनवे की री-कार्पेटिंग करने का प्रस्ताव है।

डीएलएड की पढ़ाई होगी महंगी शुल्क में 50 हजार की बढ़ोतरी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने सभी प्रकार के परीक्षा से लेकर संबद्धता, नवनीकरण सहित डुप्लीकेट अंकसूची तक की फीस में भारी बढ़ोतरी की है। यह फीस 25 से लेकर 80 फीसद तक बढ़ाई है। माशिमं ने इसके आदेश जारी कर दिए है।

प्रदेश के 40 लाख से अधिक विद्यार्थियों पर भारी भरकम फीस का बोझ डाल दिया है। प्राथमिक शिक्षक बनने की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए डीएलएड (डिप्लोमा इन एलिमेंट्री एजुकेशन) की पढ़ाई अब महंगी होने जा रही है। मंडल ने परीक्षाओं के साथ-साथ डीएलड संबद्धता शुल्क में भी वृद्धि कर दी है।

मंडल के नए निर्णय के अनुसार डीएलएड संस्थानों को संबद्धता प्राप्त करने के लिए अब पहले से 50 हजार रुपये अधिक शुल्क देना होगा। अब तक इन संस्थानों को संबद्धता के लिए डेढ़ लाख रुपये शुल्क देना पड़ता था, जिसे बढ़ाकर दो लाख रुपये कर दिया गया है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर डीएलएड कालेजों पर पड़ेगा। संस्थान प्रबंधन का कहना है कि बढ़ी हुई राशि का भार अंततः विद्यार्थियों पर ही डाला जाएगा, जिससे पाठ्यक्रम की फीस में बढ़ोतरी होना तय माना जा रहा है। बता दें, कि प्राथमिक शिक्षक बनने के लिए डीएलएड पाठ्यक्रम अनिवार्य किए जाने के बाद से इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ी है। वर्तमान में करीब 30 हजार विद्यार्थियों की संख्या है। माशिमं ने डीएलएड की परीक्षा शुल्क भी बढ़ा दिया है। नियमित विद्यार्थी को सभी विषयों के लिए सात हजार रुपए देना होंगे, जबकि दूसरे अवसर के लिए दो विषय तक तीन हजार, चार तक के पांच और चार से अधिक विषय के लिए सात हजार रुपये शुल्क लगेगा।

निजी स्कूलों का संबद्धता शुल्क बढ़ाया गया

वहीं हाईस्कूल और हायर सेकंडरी की संबद्धता लेने के लिए सरकारी और निजी स्कूलों की फीस अलग-अलग तय की गई है। 10वीं की नई संबद्धता सरकारी स्कूलों के लिए 20 हजार, निजी के लिए 22 हजार रुपये रहेगी। निजी स्कूलों के लिए शुल्क दो हजार रुपये बढ़ाया गया है। 12वीं की नवीन संबद्धता के लिए सरकारी स्कूलों को 27 हजार और निजी स्कूलों को 30 हजार रुपये देना होंगे।निजी स्कूलों के लिए यह शुल्क तीन हजार रुपये बढ़ाया है। 10वीं के नवीनीकरण के लिए सरकारी सकूलों को 7 हजार, निजी को 8 हजार और 12वीं की नवीनीकरण के लिए सरकारी स्कूलों को 9 हजार और निजी स्कूलों को 10 हजार रुपये देना होंगे।

दो दिन भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक

भोपाल में होली और धुरेड़ी को लेकर ट्रैफिक प्लान जारी, डायवर्ट रहेंगे रास्ते

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर में आगामी होली एवं धुरेड़ी पर्व को हर्षोल्लास और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से नगरीय यातायात पुलिस ने व्यापक सुरक्षा और यातायात डायवर्सन प्लान जारी किया है। दो और तीन मार्च की मध्यरात्रि को होने वाले होलिका दहन और चार मार्च को आयोजित होने वाले पारंपरिक धुरेड़ी जुलूस को देखते हुए शहर की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया हैं।

पुलिस के अनुसार, शहर के मोहल्लों और कालोनियों में होलिका दहन के दौरान जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक क्षेत्रों में भारी वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। चार मार्च को आयोजित होने वाला धुरेड़ी का चल समारोह सुबह आठ बजे दयानंद चौक से प्रारंभ होकर जुमेराती गेट, मंगलवारा, इतवारा और भवानी चौक जैसे पुराने शहर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ जनकपुरी में समाप्त होगा।

सुबह से ही लागू रहेगा यातायात प्रतिबंध: इस धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन की भव्यता को देखते हुए पुराने शहर के मुख्य मार्गों पर सुबह से ही यातायात प्रतिबंध लागू रहेगा। विशेष रूप से मोती मस्जिद से बुधवारा, भारत टॉकीज से इतवारा और नादरा बस स्टैंड से घोड़ा नक्कास की ओर जाने वाले सभी प्रकार के लोक परिवहन और भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित किया गया है।

इन रास्तों का करें इस्तेमाल: असुविधा से बचने यातायात पुलिस ने वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की है। जो नागरिक इन क्षेत्रों से गुजरना चाहते हैं, वे वीआईपी रोड, लिली टॉकीज चौराहा या कमला पार्क होकर अपने गंतव्य तक पहुंच सकते हैं। अल्पना तिराहा से सिंधी कॉलोनी व शाहजहानाबाद की ओर जाने वाले यात्री समानांतर मार्गों का प्रयोग कर सकेंगे।

नए सत्र से माशिमं की परीक्षा में लागू होगा बदलाव

अब दसवीं में सात व बारहवीं में छह विषयों की देनी होगी परीक्षा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से परीक्षा प्रणाली में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। मंडल ने बेस्ट ऑफ सिक्स पद्धति लागू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत कक्षा 10 वीं के विद्यार्थियों को सात और कक्षा 12 वीं के विद्यार्थियों को छह विषयों की परीक्षा देनी होगी। शासन ने मंडल द्वारा भेजे गए प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है।

माशिमं के अधिकारियों के अनुसार नए बदलाव में नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क को अतिरित विषय के रूप में जोड़ा गया है। इसमें 10 वीं के विद्यार्थियों को हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और एनएसयूएफ विषय की परीक्षा देनी होगी। सभी सात विषयों के पेपर अनिवार्य रहेंगे, हालांकि अंतिम परिणाम छह विषयों में प्राप्त सर्वोच्च अंकों के आधार पर तैयार होगा। वर्तमान में कक्षा 10 के विद्यार्थी पांच विषयों की परीक्षा ही दे रहे हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग ने वर्ष 2017 में 10वीं में बेस्ट ऑफ फाइव योजना लागू की थी। वर्ष 2018 में इसमें आंशिक संशोधन किया गया। वर्ष 2022 में मंडल ने इसे समाप्त करने का प्रस्ताव शासन को भेजा, जिसे उस समय निरस्त कर दिया गया था। बाद में 2023 में पुनः प्रस्ताव भेजे जाने पर अगस्त 2023 में स्कूल शिक्षा विभाग ने बेस्ट ऑफ फाइव प्रणाली समाप्त करने के आदेश जारी कर दिए।

अवकाश के दिनों में खुले रहेंगे बिजली बिल भुगतान केन्द्र

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल समेत सभी 16 जिलों में बिजली वितरण केन्द्र/बिल भुगतान केन्द्र अवकाश के दिनों में खुले रहेंगे। इसके लिए सभी मैदानी महाप्रबंधकों को निर्देशित कर दिया है। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि मार्च में 7, 14, 21, 28 मार्च शनिवार एवं 1, 8, 15, 22 व 29 मार्च रविवार, 3 मार्च होली, 19 मार्च गुड़ी पड़वां, 20 मार्च ईद उल-फितर के साथ ही रानी अवंती बाई का बलिदान दिवस, 27 मार्च रामनवमीं तथा 31 मार्च महावीर जयंती को बिल भुगतान केन्द्र सामान्य कार्य दिवसों की तरह कार्य करते रहेंगे। कंपनी के जनसंपर्क अधिकारी मनोज दिवेद्दी ने बताया कि भोपाल शहर वृत्त के चारों शहर संभाग के सभी जोनल कार्यालय शामिल हैं। निम्नदाब घरेलू उपभोक्ताओं को ऑनलाइन भुगतान करने पर उनके कुल बकाया बिल पर 0.50 प्रतिशत की छूट देगी। वही अधिकतम छूट के लिए कोई सीमाबंधन नहीं है। उच्चदाब उपभोक्ताओं को प्रति बिल कैशलेस भुगतान पर 100 रूपये से 1000 रुपये तक की छूट दी जाएगी।

मेट्रो एंकर

भारतीय ज्ञान परम्परा पर छात्रों को शोध कराएगा संस्थान

केंद्र सरकार ने दत्तोपंत ठेंगड़ी संस्थान को बनाया शोध का केंद्र

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भारतीय ज्ञान परंपरा, जनजातीय एवं लोक संस्कृति, मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान में शोध के लिए समर्पित दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान के प्रभाग दत्तोपंत ठेंगड़ी इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चरल स्टडीज को केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने इंडियन नॉलेज सेंटर के रूप में मान्यता प्रदान की है। इस प्रभाग को भारतीय ज्ञान परम्परा पर शोध के लिए केंद्र के रूप में यह मान्यता दे दी है।

बता दें दत्तोपंत ठेंगड़ी इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चरल स्टडीज भारतीय ज्ञान प्रणालियों एवं सांस्कृतिक अध्ययन के सुदृढ़, संस्थागत एवं अंतर्विषयी विस्तार के लिए प्रयासरत है। देश के प्रसिद्ध अकादमिक विद्वान इस संस्थान से जुड़े हुए हैं। बता दे कि संस्थान भारत के पुनरुत्थान के लिए शोध पर केंद्रित राष्ट्रीय शोधार्थी समागम का आयोजन कर रहा है। संस्थान के निदेशक डॉ. मुकेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान ने भारत सरकार को एक प्रस्ताव दिया था। मंत्रालय ने परीक्षण के बाद इस प्रस्ताव को मान्य किया है और देश के 20 चयनित संस्थाओं के साथ इसे शोध केंद्र के रूप में मान्यता प्रदान की है। हाल ही में इस समागम में 25 राज्यों के शिक्षाविदों ने भागीदारी की थी। उच्च स्तरीय बहुविषयक अध्ययनों के माध्यम से संस्थान भारतीय ज्ञान पद्धति के पुनरुत्थान एवं समकालीन परिप्रेक्ष्य में उसके पुनर्स्थापन हेतु भी कार्य कर रहा है। यह सामाजिक विज्ञान, मानविकी, भाषा एवं संस्कृति के साथ-साथ स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों में सैद्धांतिक एवं अनुप्रयुक्त अनुसंधान को प्रोत्साहित करता है। साथ ही, नीति निर्माण की प्रक्रियाओं में बौद्धिक सहयोग, विकासात्मक प्रवृत्तियों का विश्लेषण तथा परिणामोन्मुख शोध के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक विकास को गति प्रदान करने में भी सक्रिय भूमिका निभाता है।

निजी स्कूलों की मनमानी पर कलेक्टर सख्त

निर्धारित दुकान से किताबें-यूनिफॉर्म खरीदने के दबाव पर होगी कार्रवाई

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

नए शिक्षा सत्र से पहले जिला प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने निजी स्कूलों द्वारा यूनिफॉर्म, किताबें और स्टेशनरी की अनिवार्यता खरीद को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। आदेश के मुताबिक कोई भी निजी स्कूल प्रबंधन अभिभावकों को किसी निर्धारित दुकान से ही यूनिफॉर्म, जूते, किताबें या कॉपियां खरीदने के लिए बाध्य नहीं करेगा।

निगरानी के लिए 5 सदस्यीय टीमों का गठन: इसके लिए जिले के आठ अनुभागों में एसडीएम की अगुवाई में पांच सदस्यीय टीमें गठित की गई हैं। प्रत्येक टीम में संबंधित एसडीएम, तहसीलदार और शासकीय स्कूलों के प्राचार्य शामिल किए गए हैं।

नए सत्र से पहले प्रशासनिक तैयारी: वर्तमान में स्कूलों की परीक्षाएं जारी हैं, जो मार्च तक चलेंगी। अप्रैल से नया सत्र शुरू होते ही अभिभावकों पर शिक्षण सामग्री खरीदने का दबाव बढ़ जाता है। इसे रोकने के लिए प्रशासन ने पहले ही तैयारी कर ली है। शिकायत पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि जैसे ही किसी अभिभावक की शिकायत मिले, संबंधित स्कूल प्रबंधन के खिलाफ तत्काल जांच कर कार्रवाई की जाए।

समृद्ध किसान समृद्ध प्रदेश
किसान कल्याण वर्ष 2026

लोक संस्कृति का सम्मान
विकास का अभिनव अभियान

कृषि कैबिनेट

अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

2 मार्च, 2026 । पूर्वाह्न 11:30 बजे । नागलवाड़ी, बड़वानी

वर्ष 2026 को हम किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रहे हैं। हमारा ध्येय कृषि को औद्योगिक गतिविधियों से जोड़कर किसानों की आय में स्थायी वृद्धि करना और कृषि को पारंपरिक उत्पादन से आगे ले जाकर अन्नदाता की समृद्धि सुनिश्चित करना है।

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

अन्नदाता के साथ, प्रदेश का विकास

उड़द प्रोत्साहन योजना 2026
उड़द किसानों को मिलेगा एमएसपी के अतिरिक्त ₹600 प्रति क्विंटल बोनस का सीधा लाभ।
लगभग 3 लाख हेक्टेयर संभावित बोनी क्षेत्र से बढ़ेगा उत्पादन एवं किसानों की आय।

भावांतर योजना- सरसों 2026
सरसों उत्पादन में वृद्धि को देखते हुए 15.71 लाख मीट्रिक टन उत्पादन का अनुमान।
फसल की सही कीमत सुनिश्चित करने हेतु भावांतर योजना में शामिल करने का प्रस्ताव केन्द्र को प्रेषित।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा पोषण मिशन
आगामी 5 वर्षों तक निरंतरता के साथ धान, गेहूं, दलहन, मोटा अनाज एवं नगदी फसलों का विस्तार।
₹3285.49 करोड़ की स्वीकृति से खाद्य सुरक्षा और किसानों की आय वृद्धि।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई परियोजना
पर ड्रॉप मोर क्रॉप परियोजना की 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक निरंतरता स्वीकृत करते हुए ₹ 2393.97 करोड़ के प्रावधान से सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा, जल संरक्षण एवं उत्पादन क्षमता में वृद्धि।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना
कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के समग्र विकास हेतु 2031 तक निरंतरता के लिए ₹2008.68 करोड़ की स्वीकृति से कृषि अधोसंरचना और नवाचार को बल।

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन
प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने हेतु आगामी 5 वर्षों के लिए ₹ 1101 करोड़ के निवेश से टिकाऊ खेती और लागत में कमी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम।

राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन
मिशन को गति देने 5 वर्ष की निरंतरता के लिए ₹1793.87 करोड़ की स्वीकृति से आत्मनिर्भर भारत की दिशा में खाद्य तेल उत्पादन में वृद्धि को मिलेगा बल।

चना, मसूर एवं तुअर का उपार्जन
दलहन किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ सुनिश्चित करने की पहल, प्रस्ताव केन्द्र को प्रेषित।

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

होली पर्व की हार्दिक मंगलकामनाएं

D-11215/25

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

आकल्पन : मध्यप्रदेश सांध्य/2026

मध्य-पूर्व पर मंडराता खतरा

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की पुष्टि ने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। यह घटना केवल एक व्यक्ति के निधन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके दूरगामी राजनीतिक, सामरिक और कूटनीतिक प्रभाव होंगे। मध्य पूर्व पहले से ही संघर्ष और अस्थिरता से जूझ रहा है, ऐसे में यह घटनाक्रम क्षेत्रीय संतुलन को और अधिक बिगाड़ सकता है। सूत्रों के अनुसार, खामेनेई उस समय एक सुरक्षित परिसर में अपने वरिष्ठ सलाहकारों के साथ बैठक कर रहे थे, जब इजरायली हमले हुए। शुरुआती हमलों में ही उनकी जान चली गई। इजरायल और अमेरिका की खुफिया एजेंसियों के बीच गहरे तालमेल ने यह दिखा दिया है कि आधुनिक युद्ध अब केवल हथियारों से नहीं, बल्कि सटीक सूचनाओं और तकनीकी निगरानी के बल पर लड़ा जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान कि खामेनेई आधुनिक सर्विलांस से नहीं बच सके, इसी रणनीति की पुष्टि करता है। इस घटना के बाद सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि ईरान की सत्ता की दिशा क्या होगी। कई विश्लेषकों का मानना है कि अब वहां रिवोल्यूशनरी गार्ड के कट्टरपंथी धड़े का प्रभाव बढ़ सकता है। यदि ऐसा होता है तो ईरान की नीतियां और अधिक कठोर होंगी, जिससे पश्चिम एशिया में तनाव का स्तर नई ऊंचाइयों पर पहुंच सकता है। यह स्थिति न केवल इजरायल और अमेरिका के लिए चुनौतीपूर्ण होगी, बल्कि पूरे क्षेत्र की शांति और स्थिरता पर भी खतरा बनेगी। सऊदी अरब की भूमिका भी इस घटनाक्रम में बेहद अहम मानी जा रही है। रिपोर्टों के अनुसार, सऊदी नेतृत्व ने पर्दे के पीछे अमेरिका पर ईरान के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने का दबाव डाला था। सार्वजनिक रूप से कूटनीति की बात करने के बावजूद, निजी बातचीत में सैन्य कार्रवाई का समर्थन सऊदी नीति की दोहरी प्रकृति को उजागर करता है। तेल अवसंरचना पर संभावित ईरानी जवाबी कार्रवाई का डर और क्षेत्रीय वर्चस्व की प्रतिस्पर्धा, दोनों ही इस रुख के पीछे प्रमुख कारण प्रतीत होते हैं। सुन्नी नेतृत्व वाला सऊदी अरब और शिया नेतृत्व वाला ईरान लंबे समय से एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी रहे हैं। खामेनेई की मौत ने इस टकराव को और तीखा बना दिया है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि ईरान की नई नेतृत्व व्यवस्था किस दिशा में कदम बढ़ाती है और क्या वैश्विक शक्तियां इस उभरते संकट को नियंत्रित कर पाएंगी। अन्यथा, यह घटनाक्रम पूरे मध्य पूर्व को एक और बड़े संघर्ष की ओर धकेल सकता है।

होली पर विशेष

सामूहिक उल्लास की ताज़गी के साथ व्यष्टि को समष्टि बनाने वाला अवसर है होली

गिरीश्वर मिश्र
हिंदी विवि वर्धा के पूर्व कुलपति

मनुष्य जीवन का अस्तित्व, पोषण और उत्थान पारस्परिक संबंधों के बीच ही संभव है। यह तथ्य सर्वविदित है किंतु आज के सामाजिक जीवन में अकेले व्यक्ति के अपने अहंकार का अभिमान इतना प्रचंड होता जा रहा है कि वह सबकुछ भूल कर उसके विस्तार के लिए किसी भी तरह की हिंसा का सहारा लेने से नहीं चूकता। वह सिसृक्षा के मूल आशय को भी भूल जाता है।

यह विश्वात्मा की एक से अनेक होने- एकोहं बहुस्याम्- की उद्दाम आकांक्षा ही थी जो सृष्टि में सृजन का व्याज बनी। कहते हैं अन्य को रच कर विश्वात्मा ने उस रचना में स्वयं उपस्थित होकर उसे अनन्य बना दिया। आज भी दूसरों के साथ जुड़ाव जीवन के स्पंदन का आधार बना हुआ है। प्रगाढ़ रिश्तों की उदार विशालता से व्यक्ति, समुदाय और देश सकारात्मक रूप से सक्रिय होते हैं और उसके अभाव में बिखर कर टूट जाते हैं। इस सत्य को भारतीय समाज ने बहुत पहले आत्मसात् किया था और संगच्छध्वम् संवधध्वम् संवो मनांसि जानताम् का उद्घोष किया था। इस भाव को अपने जीवन में उतारने के लिए वर्षभर अनेक उत्सवों और पर्वों की संकल्पना की गई जिसमें व्यक्ति अपने सीमित स्व से ऊपर उठकर अपने को सबमें और सबको अपने में देखने की चेष्टा करता है। ऐसा करते हुए मनुष्य न केवल समाज बल्कि प्रकृति के साथ भी एकाकार होने की संभावना को तलाशता रहता है। इसी में आनंद मिलता है जो जीवन का प्रयोजन है।

होली का उत्सव इसी लौकिक तलाश का मूर्त रूप है। होली वसंत में मनाई जाती है जब पूरी सृष्टि में एक साथ उल्लास के बीज का विस्फोट दिखता है। प्रसिद्धि है कि नया रमणीय होता है इसलिए सबके मन को भाता है। नए के लिए मन में उत्सुकता और उमंग होती है। अज्ञात और अनागत का आकर्षण वसंत के आगमन में चतुर्दिक दिखता है। उत्साह के साथ होली में एक क़िस्म का उन्माद का भाव आता है जब हम अपने को भुला कर आनंद का अनुभव करते हैं। प्रकृति में परिवर्तन का संदेश राग और अनुराग के कोमल भावों को जीवित करता है। वह यही कहता है कि सालभर जिन सफलताओं और विफलताओं का मीठा कड़वा अनुभव करते रहे हैं उन सबसे आगे बढ़कर या परे जाकर जीवन क्रम के नाटक का नया अंक शुरू करें। होली का उत्सव पुराने का आतंक भूल नए चित्र कैनवस पर उकेरने की पुकार लगाता है।

भारत में ऋतुराज वसंत इस दृष्टि से अनोखा और समृद्ध होता है कि इसके आगमन के साथ ठंड को किनारे कर प्रकृति अपने सौंदर्य की ऊष्मा का सारा संचित खजाना लुटाने के लिए व्यग्र हो उठती है। वसंत के निजी दूत बने पशु-पक्षी गाकर, तरु, लता, गुल्म, और पादप नव किसलय और पुष्प के साथ सज-धज कर बड़ी मुस्तैदी से इस मस्ती भरी असीम व्यग्रता का डंका बजाते हैं। नवलता वसंत में उमग पड़ती है- नवल कुसुम नव पल्लव साखा, कूजत नवल मधुर पिक कीर। वायुमंडल में भी बदलाव आता है और फागुन की मदमाती बयार हर किसी के चित्त को उन्मथित किए देती है। यह सब कमोबेश एक व्यवस्थित क्रम में कालचक्र की निश्चित गति से आयोजित होता है। कुल मिला कर प्रकृति इस बीच कोमल और आकर्षक नया परिधान धारण कर सजती है। खेतों और बाग-बगीचों में विभिन्न रंगों की अद्भुत चित्रकारी देखते बनती है। बिना किसी व्यतिक्रम के सहज स्वाभाविक संगति में ये विविधता भरा जादुई परिवर्तन नया आकर्षक और उत्साहवर्धक परिदृश्य रच देता है।

संक्रामक वसंत सार्वभौमिक-सा है, कुछ उसी तरह जैसे जीवन विस्तार में यौवन की अवस्था स्वाभाविक रूप से आती है। इसी समय बुलबुल और कोयल की मीठी बोली भी आमंत्रण देती है। प्रवासी पक्षी भी इस बीच हजारों मिल दूर साइबेरिया तक से चले आते हैं। वसंत की दस्तक के साथ आंतरिक और बाह्य अस्तित्व में बदलाव की श्रृंखला शुरू होती है। इसकी अभिव्यक्ति विभिन्न देशों में अनेक किस्म के त्योहारों और अभिव्यक्तियों में होती हैं। वसंत भारत में रंगों की निराली छटा में दिखता है। वायुमंडल में तमाल, महुआ, नीम और पलाश आदि विभिन्न वृक्षों की गंध आगे पीछे आती है। आम में बौर आने लगते हैं। रसिया और गणगौर के गीत में वसंत की ही गूंज होती है।

ऊधमी वसंत के साथ झाँझ, मृदंग, ढोल और मजीरा के साथ फाग की उमंग अनूठी होती है। वसंतोत्सव सालभर मनाए जाने वाले विभिन्न उत्सवों का सिरमौर है। कहते हैं काम का सेनापति है वसंत। आता है और थोड़े समय में ही ओझल हो जाता है। यह सचमुच में एक लोक उत्सव है-लोक यानी वह जगत जिसमें सभी शामिल होते हैं। मनुष्य और प्रकृति सभी इस लोक के अंश और भागीदार होते हैं। वृक्ष और जंगल सृष्टि के नयेपन के संकल्प को जीवित रखते हैं। होली के साथ भारतीय नया वर्ष और संवत्सर का आरम्भ भी होता है। यह जीवन के नए ऋतुचक्र की शुरुआत होती है। फागुन के बाद चैत के महीने में आम के बौर में कैरियाँ आती हैं मानों उत्कंठा के बाद तृप्ति का आस्वाद आता है। प्रिय पास न हों तो यह वसंत बड़ा दुःख देता है, मन बिलखता-छटपटाता है। साहित्य की चेतना में दर्द, आकुलता, विरह, प्रेमातिशय, उन्माद और माधुर्य की प्रखर अनुभूतियों के साथ वासंती कविताएँ रची गई हैं। फाग और मधुर चैती के गीतों में साथ ले चलने की पुकार तीव्र होती है।

रंगों के इस त्योहार ब्रज क्षेत्र में वृंदावन और बरसाने की होली का सौंदर्य गौर वर्ण की श्रीराधा और श्याम वर्ण घनश्याम श्रीकृष्ण की स्मृति और अनुभूति से सराबोर होती है। आनंद की उन्मुक्त अभिव्यक्ति ब्रज की रागिनी में छायी रहती है। यहाँ के लोकगीतों में यह सहज अभिव्यक्ति कुछ इस तरह जीवंत होती है :

आज बिरज में होरी रे रसिया।
इत ते आए कुँअर कन्हैया , उत ते राधा गोरी रे रसिया।
कौन के हाथ कनक पिचकारी, कौन के हाथ कमोरी रे रसिया।
कृष्ण के हाथ कनक पिचकारी, राधा के हाथ कमोरी रे रसिया।
उड़त गुलाल लाल भए बादल, मारत भर-भर झोरी रे सखिया।
अबीर गुलाल के बादल छाये, धूम मचाई रे सब मिल सखिया।
चंद्रसखी भज बाल कृष्ण छवि, चीर जीवो यह जोड़ी रे रसिया।

होली की पिछली रात होलिका दहन होता है और सम्मत जलाई जाती है। जो घट चुका उससे आगे बढ़ने का साहस देता नया संवत्सर आरम्भ होता है। होली सामूहिक उल्लास की ताज़गी के साथ व्यष्टि को समष्टि बनाने वाला अवसर है। इस सांस्कृतिक आयोजन पर अब बाजार हावी होता जा रहा है और उत्कंठा और संवेदना के लिए जगह कम होती जा रही है। फिर भी होली अभी भी उद्घोष करती है कि वास्तविक आनंद दूसरे को सुखी करने में ही होता है। परस्पर एक-दूसरे को भावित करने में ही कल्याण संभव है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

विश्व किशोर मानसिक स्वास्थ्य दिवस

प्रतिस्पर्धी दुनिया में किशोर मन और स्क्रीन के पीछे का अनसुना शोर

दिलीप कुमार पाठक
स्तंभकार

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर मकान की मजबूती तो देखते हैं, लेकिन उसकी नींव में दबी दरारों को भूल जाते हैं। किशोरावस्था जीवन की वही नींव है जिसे अक्सर उम्र का तकाज़ा कहकर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है। हर साल 2 मार्च को मनाया जाने वाला विश्व किशोर मानसिक स्वास्थ्य दिवस हमें याद दिलाता है कि हमारे घर के बच्चों के मन में भी कई बार गहरा अंधेरा छाया होता है। आज का किशोर कल के युवाओं की तुलना में कहीं अधिक साधन संपन्न और तकनीक का जानकार है, लेकिन विडंबना यह है कि वह पहले से कहीं अधिक अकेला और मानसिक दबाव में भी है।

आज के किशोरों के पास सबसे बड़ी चुनौती है दिखावे की संस्कृति। हाथ में स्मार्टफोन और आंखों में चमकदार भविष्य के सपने लेकर वे जिस डिजिटल दुनिया में जी रहे हैं, वह जितनी आकर्षक है, उतनी ही भ्रामक भी है। सोशल मीडिया पर लाइक्स, व्यूज और कमेंट्स की संख्या अब उनके आत्म-सम्मान का पैमाना बन गई है। किसी सहपाठी की फिल्टर लगी फोटो या उसकी महंगी छुट्टियों की तस्वीरें देखकर खुद को कमतर आंकना अब एक मानसिक महामारी का रूप ले रहा है। यह तुलना का रोग उन्हें धीरे-धीरे हीन भावना और अवसाद की ओर धकेल रहा है, जिसे वे किसी से साझा भी नहीं कर पाते। अखबारों की सुर्खियों और टीवी के शोर के बीच, क्या हमने कभी गौर किया है कि घर के कोने में चुपचाप बैठा किशोर क्या सोच रहा है? स्कूल में अव्वल आने का बोझ, नामी संस्थानों में दाखिले की अंधी दौड़ और फिर दोस्तों के बीच खुद को कूल दिखाने की होड़। इन सबके बीच उनका मासूम और असली व्यक्तित्व कहीं खो जाता है। वे बोलना चाहते हैं, चीखना चाहते हैं, लेकिन डरते हैं कि कहीं उन्हें कमजोर या बीमार न समझ लिया जाए। हमारे समाज में आज भी शारीरिक चोट तो दिखती है, लेकिन मन के घावों पर बात करना अच्छा नहीं माना जाता। यही चुप्पी किशोरों को अंदर ही अंदर तोड़ देती है।

बीते कुछ वर्षों में तकनीक पर निर्भरता ने स्थितियां और जटिल कर दी हैं। स्क्रीन पर घंटों समय बिताने से वास्तविक मानवीय संवाद कम हो गया है। एक ही छत के नीचे, एक ही मेज पर खाना खाते हुए भी माता-पिता और बच्चों के बीच बातचीत की दूरी बढ़ती जा रही है। किशोरों की चिड़चिड़ाहट, नींद न आना, अचानक चुप हो जाना या खाने की आदतों में बदलाव को अक्सर अनुशासनहीनता या गुस्सा मान लिया जाता है। जबकि हकीकत में ये उनके अशांत मन की पुकार और खराब मानसिक स्वास्थ्य के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। उन्हें इस वक्त डांट या उपदेश की नहीं, बल्कि एक ऐसे भरोसेमंद दोस्त की जरूरत है जो उन्हें बिना किसी फैसले के सुन सके। शिक्षा व्यवस्था और करियर का दबाव भी एक गंभीर चिंता है। केवल अंकों के आधार पर सफलता का पैमाना तय कर देने वाली मानसिकता किशोरों के आत्मविश्वास की हत्या कर देती है। हमें एक समाज के रूप में यह समझना होगा कि हर बच्चा एक ही सांचे में नहीं ढल सकता। किसी के पास संगीत की अद्भुत लय होती है, तो किसी के पास रंगों की समझ या खेलों का जुनून। उनके भीतर छिपे उस अनूठे हुनर को पहचानना और उन्हें हार को सहजता से स्वीकार करना सिखाना ही मानसिक मजबूती की पहली सीढ़ी है। सफलता की कहानियों के साथ-साथ उन्हें संघर्ष और विफलता से उबरने की कहानियां सुनाना भी उतना ही जरूरी है।

इस विशेष दिवस पर हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम अपने बच्चों के लिए एक ऐसा सुरक्षित वातावरण तैयार करेंगे जहां वे अपनी गलतियों पर शर्मिंदा न हों। डिजिटल दुनिया से बाहर निकलकर प्रकृति और शारीरिक खेलों से उनका नाता फिर से जोड़ना होगा। माता-पिता को चाहिए कि वे अपने व्यस्त शेड्यूल से कुछ वक्त निकालकर बच्चों के साथ बिना किसी एजेंडे या मोबाइल के बैठें। उनकी छोटी-छोटी समस्याओं को बचपना कहकर खारिज न करें। कभी-कभी सिर्फ यह कहना कि मैं तुम्हारी बात समझ रहा हूँ और मैं हर हाल में तुम्हारे साथ हूँ, किसी भी महंगी थेरेपी से बड़ा असर कर जाता है। अंततः, किशोर मानसिक स्वास्थ्य केवल डॉक्टरों या विशेषज्ञों का विषय नहीं है, बल्कि यह एक साझा सामाजिक जिम्मेदारी है। यदि हम चाहते हैं कि देश का भविष्य मानसिक रूप से सशक्त और संतुलित हो, तो हमें उनकी वैचारिक उर्वरता और मन की शांति का निवेश आज ही करना होगा। याद रखिए, एक स्वस्थ और शांत मन ही एक सफल जीवन का असली आधार है। आइए, इस 2 मार्च को हम अपने किशोरों के प्रति और अधिक संवेदनशील, धैर्यवान और उदार बनने का वादा करें ताकि वे केवल इस प्रतिस्पर्धी दुनिया में जिएं नहीं, बल्कि अपने पूरे सामर्थ्य के साथ खिलें और महकें।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ टिप्स

निकलने के बाद दोबारा बन सकती है पथरी, बचाएगा लाइफस्टाइल में बदलाव

किडनी स्टोन का इलाज करवाने के बाद कई मरीजों में यह समस्या दोबारा हो जाती है। पुरानी डाइट और लाइफस्टाइल पर वापस लौट आने की वजह से ऐसा होता है। इस वजह से गुर्दे में मिनरल और साल्ट दोबारा जमने लगते हैं और पथरी का रूप ले लेते हैं। अगर आपको किडनी स्टोन को बार-बार बनने से रोकना है तो डाइट और लाइफस्टाइल में ये बदलाव जरूर करें। एक किडनी स्पेशलाइज्ड डॉक्टर के अनुसार गलत खानपान, कम पानी पीना, ज्यादा नमक लेना, ऑक्सालेट वाले फूड्स खाना, मोटापा और कुछ मेटाबॉलिक समस्याओं के कारण दोबारा गुर्दे की पथरी का खतरा रहता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर सही डाइट और लाइफस्टाइल फॉलो ना की जाए तो 5 साल के अंदर लगभग 40-50% मरीजों में दोबारा पथरी बन सकती है।

बार-बार किडनी स्टोन क्यों बनते हैं? : जब पेशाब में मौजूद मिनरल और साल्ट गुर्दे के अंदर क्रिस्टल के रूप में जमा होने लगते हैं, तब किडनी स्टोन बनते हैं। शरीर में पानी की कमी, कैल्शियम ऑक्सालेट और यूरिक एसिड का लेवल बढ़ने पर पथरी का खतरा बढ़ जाता है। इसके साथ हाई प्रोटीन डाइट, ज्यादा प्रोसेस्ड फूड और अनियमित जीवनशैली भी प्रमुख वजहों में आती हैं। किडनी स्टोन का इलाज करवाने के बाद अक्सर मरीज पुरानी और सामान्य डाइट पर लौट आते हैं। इससे दोबारा पथरी बनने का खतरा बढ़ जाता है। बचाव के लिए आपको हर दिन 2.5 से 3 लीटर पानी पीना, कम नमक लेना और बैलेंस्ड डाइट जैसी आदतें अपनानी चाहिए। अगर लोग सही डाइट और जीवनशैली अपनाकर रखें तो दोबारा स्टोन बनने के 60 प्रतिशत मामलों को रोका जा सकता है।

इन चीजों से करें परहेज: जरूरत से ज्यादा नमक लेने पर पेशाब में कैल्शियम की मात्रा बढ़ जाती है। हाई ऑक्सालेट वाले फूड - चुकंदर, पालक, चॉकलेट, सोया और नट्स जैसे हाई ऑक्सालेट फूड को लिमिट में खाएं। हाई प्रोटीन डाइट और रेड मीट - यह चीजें यूरिक एसिड बढ़ाकर पथरी का खतरा बढ़ाती हैं।

पैकेज्ड जूस और सॉफ्ट ड्रिंक - ऐसी चीजों के अंदर शुगर और फॉस्फेट की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, जिससे खतरा बढ़ सकता है। ज्यादा कॉफी-चाय - यह ड्रिंक्स ड्यूरेटिक होती हैं यानी पेशाब का उत्पादन बढ़ाती हैं। इससे शरीर में डिहाइड्रेशन बढ़ता है।

बचने के लिए कैसी हो डाइट: 8-10 गिलास पानी - दिनभर में इतने गिलास या इससे ज्यादा पानी पीएं, जिससे डिहाइड्रेशन नहीं होगा। नींबू, संतरा और मौसंबी - ऐसे खट्टे फल साइट्रस एसिड से भरपूर होते हैं, जो पथरी बनने से रोकते हैं। दूध, दही और छाछ - कैल्शियम से भरपूर इन चीजों को लेने से कैल्शियम ऑक्सालेट के कारण पथरी बनने का खतरा कम होता है। फल, सब्जियां और साबुत अनाज - इन फूड्स के अंदर फाइबर भरा होता है, जो पाचन को सुधारता है। नारियल पानी और छाछ - इन ड्रिंक्स से यूरिन फ्लो बढ़ता है और मिनरल जमा होने का खतरा टलता है। बचाव के लिए जरूरी है कि रोज हल्की से मध्यम तीव्रता वाली एक्सरसाइज करें।

निशाना

उजड़े गुलशन में..!

धर्मराज देशराज

जिसके सीने में मोहब्बत का ख़ज़ाना होगा
ऐसे इंसान की ठोकर में ज़माना होगा।
सोये इन्सां को हमें आज जगाना होगा
मक़सदे-ज़ीस्त ज़माने को बताना होगा।
उजड़े गुलशन में हमें फूल खिलाना होगा
इंकिलाब अब तो नया दुनियां में लाना होगा।
चाह बोसे कि अगर है तो बताना होगा
फ़ासला तुमको ज़रा और मिटाना होगा।
दिल का हर ज़ख्म ज़माने से छुपाना होगा
राज़ जो भी है निगाहों से बताना होगा।
मुस्कुराना तो फ़क़त उनका बहाना होगा
ऐसा लगता है हमें ज़ान से जाना होगा।
मेरी शोहबत से तुझे खुद को बचाना होगा
वर्ना दुश्मन तेरा कमबख्त ज़माना होगा।
इश्क़ में एक तरफ होंगे 'धरम' हम बेबस
दूसरी और ये बेदर्द ज़माना होगा।

यूजर्स गाइड

गाड़ी चलाते समय एक्सीडेंट से बचा सकता है फोन का DND फीचर, 85% लोग इससे अनजान

स्मार्टफोन का इस्तेमाल तो ज्यादातर लोग करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसका एक फीचर सड़क यात्रा के दौरान आपकी जान बचा सकता है। यह है Do not Disturb (DND) । पिछले साल AAA फाउंडेशन फॉर ट्रैफिक सेफ्टी की एक रिसर्च में पाया गया कि 85 फीसदी लोगों को इस फीचर को एक्टिव करने का तरीका ही नहीं पता होता है। ट्रैफिक सेफ्टी एडवोकेसी और रिसर्च के डायरेक्टर जेक नेल्सन ने रिलीज में बताया कि सभी जानते हैं कि स्मार्टफोन कैसे हमारा ध्यान भटकाता है और ड्राइविंग के दौरान यह सबसे बड़ा जोखिम बन सकता है, लेकिन स्मार्टफोन इसे रोकने में मदद कर सकता है। इसे इस्तेमाल करना बहुत आसान है। ये फीचर एंड्रॉयड और iOS दोनों डिवाइस में मिलता है। स्टडी के लिए 300 लाइसेंस वाले ड्राइवरों के साथ सर्वे किया गया। इन 300 ड्रायवर्स को 'डू नॉट डिस्टर्ब' इस्तेमाल के आधार पर तीन कैटेगरी में रखा गया था। एक कैटेगरी अभी के यूजर, दूसरी कैटेगरी में वे थे जो DND का इस्तेमाल नहीं करते और तीसरे कैटेगरी उन लोगों की थी, जो पहले इसका इस्तेमाल करते थे। अंत में 26 पार्टिसिपेंट्स पर 10 हफ्तों तक उनकी अपनी गाड़ियों में डेटा एक्विजिशन सॉफ्टवेयर और एक सेल्फ-रिपोर्टिंग ऐप के जरिए नंजर रखी गई। ताकि गाड़ी चलाते समय स्मार्टफोन के व्यवहार का पता लगाया जा सके। पहले 5 हफ्तों तक, पार्टिसिपेंट्स ने वैसे ही गाड़ी चलाई जैसे वे नॉर्मल तरीके से चलाते थे। दूसरे पांच हफ्तों तक, उन सभी ने गाड़ी चलाते समय अपने स्मार्टफोन पर 'डू नॉट डिस्टर्ब' फीचर इनेबल किया। स्टडी की शुरुआत में सिर्फ 50% पार्टिसिपेंट्स को अपने स्मार्टफोन के 'डू नॉट डिस्टर्ब' फीचर के बारे में पता था और 85% ने बताया कि उन्हें इसका इस्तेमाल करना नहीं आता।

क्या होता है DND ?: DND फीचर, फोन को 'साइलेंट मोड' में डाल देता है। आपके फोन पर कॉल, मैसेज या नोटिफिकेशन तो आएंगे, लेकिन फोन ना तो बजेगा और ना ही वाइब्रेट होगा। इससे आपका ध्यान फोन की तरफ नहीं जाएगा। DND में आप सेटिंग को बदल भी सकते हैं। यदि चाहें कि DND मोड में भी किसी खास व्यक्ति का फोन आए तो पता चले तो इसके लिए सेटिंग में बदलाव कर सकते हैं।

फोन में कैसे करें चालू?: DND फीचर को ऑन करना बहुत आसान है। इसे एंड्रॉयड फोन या फिर आईफोन दोनों में कंट्रोल सेंटर में जाकर ऑन कर सकते हैं। या फिर फोन के सेटिंग्स सेक्शन में जाकर भी फीचर को इनेबल किया जा सकता है।

वायरल स्टोरी

बीवी को मिली पति के मौत की खबर, बच्चों सहित दे दी जान, अगले दिन सामने आ गया पति

दुनिया में कभी-कभी ऐसी घटनाएं घट जाती हैं, जो सालों साल तक चर्चा का विषय बनी रहती हैं। चीन में ऐसी ही एक घटना घटी जिसकी खूब चर्चा हुई। ये घटना एक परिवार से जुड़ी थी जिसमे एक शख्स की अचानक मौत हो गई जिस पर भारी कर्ज था। उसकी बीवी ने बच्चों सहित अपनी जान दे दी। पर फिर जो हुआ, उसके बारे में जानकर हर कोई चौंक गया। चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर इस खबर से जुड़े हैशटैग को 3 करोड़ तक व्यूज मिले थे।

मिरर वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार डाई नाम की एक 34 वर्षीय महिला दो बच्चों की मां थी और साउथईस्ट चाइना के हुनान प्रांत में रहती थी। उसे अचानक पता चला कि उसके पति, मिस्टर ही, की अचानक मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि उनके पति की कार एक नदी के अंदर मिली। हालांकि, कार में कोई लाश नहीं थी। पुलिस को लगा कि उन्होंने खुद की जान ले ली।

बीवी ने ले ली अपनी जान: इसके पीछे कारण समझा गया कि ही के ऊपर करीब 13 लाख रुपये का कर्ज था। उन्होंने कई ऑनलाइन देनदारों से लोन लिया था क्योंकि वो अपनी 3 साल की बेटी का इलाज करवाना चाहते थे, जिसे मिर्गी की बीमारी थी। पुलिस को लगा कि इतना बड़ा कर्ज होने की वजह से ही उन्होंने खुद की जान ले ली। उनकी कथित मौत के बाद उनकी बीवी डाई बच्चों का ख्याल रखने के लिए अकेली पड़ गईं। उनके ऊपर पूरा कर्ज गया। पर इस दौरान डाई इतना परेशान और दुखी थीं, कि उन्हें कुछ भी नहीं सूझा। पति के अचानक गायब होने और कथित मौत की खबर से वो टूट चुकी थीं और इसी वजह से महज 3 हफ्ते बाद ही उनकी और बच्चों की लाश घर के पास एक तालाब में मिली। पहले उन्होंने खुद बच्चों को डुबोया और फिर खुद अपनी जान दे दी। अपनी मौत से पहले उन्होंने वीचैट नाम के ऐप पर अपना सुसाइड नोट भी लिख छोड़ा था। उसमें उन्होंने लिखा कि वो चाहती थीं कि मौत के वक्त परिवार साथ में रहे। इस वजह से वो पति का साथ देने के लिए ऐसा कर रही हैं। उन्होंने ये भी लिखा कि अगर वो बच्चों को पीछे छोड़ जातीं, तो समाज उन्हें परेशान करता और उनका जीना मुश्किल हो जाता। इस वजह से उन्होंने बच्चों को भी साथ ले जाना ठीक समझा। हैरानी तब हुई, जब बीवी की मौत के एक दिन बाद पति, ही, अचानक पुलिस के पास पहुंच गया और उन्हें सच बताया कि वो चाहता था कि उसकी मौत की खबर से बीवी को इंश्योरेंस के पैसे मिल जाएं, जिससे बेटी का इलाज हो सके। उसने सोचा भी नहीं था कि बीवी ऐसा कदम उठा लेगी। पुलिस के पास जाने से पहले उन्होंने एक वीडियो भी बनाया जिसमें अपनी सारी समस्याओं का जिक्र किया। उनको लगा था कि वो अचानक गायब हो जाएंगे, उन्हें पैसा मिल जाएगा और फिर वो बीवी बच्चों को अपने पास बुला लेंगे और खुशहाल जिंदगी जिएंगे। उनसे बस गलती ये हो गई कि इस प्लान के बारे में उन्होंने बीवी को नहीं बताया।

न्यूज विंडो

भगवान आदिनाथ केवल्य ज्ञान महोत्सव का हुआ मंचन

गंजबासौदा। पंच कल्याणक महोत्सव के पांचवे दिन जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ स्वामी के कैवल्य ज्ञान महोत्सव का मंचन किया गया। प्रातः नित्य अभिषेक शांतिधारा और पूजन के उपरांत ज्ञान कल्याणक विधान का आयोजन किया गया है, जिसमें प्रमुख पात्रों के साथ सभी इंद्र और इंद्राणी विधान में शामिल रहे। वहीं नगर में विराजमान मुनि श्री विमल सागर महाराज एवं मुनि श्री अनंत सागर महाराज की मंगल देशना सुनने का अवसर श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। प्रवचन श्रृंखला के उपरांत कार्यक्रम स्थल पर भगवान आदिनाथ स्वामी की जीवनी पर आधारित नाट्य प्रस्तुति हुई, जिसमें दिखाया गया कि, क्यों मुनि दीक्षा के उपरांत मुनि श्री वृषभ सागर महाराज (भगवान आदिनाथ) को छः माह तक आहार विधि नहीं मिली और कैसे प्रजा ने मुनि महाराज को पड़गाहन करने की विधि जानी। नाट्य प्रस्तुति में दिखाया गया कि राजा श्रेयांश को और राजा सोम को पिछले भव का ज्ञान होने से दिगंबर मुनि महाराज को पड़गाहन विधि का ज्ञान हुआ और विधि पूर्वक पड़गाहन करके मुनि श्री वृषभ सागर महाराज (भगवान आदिनाथ) को इच्छु रस से प्रथम आहार प्रदान करने का सौभाग्य प्राप्त किया। वहीं पंडाल परिसर में मौजूद हजारों श्रद्धालुओं ने भी शुद्ध वस्त्रों को धारण कर मुनि वृषभ सागर जी महाराज को इच्छु रस (गन्ने का रस) से आहार देने का सौभाग्य प्राप्त किया।

नर्मदा परिक्रमा यात्रा: सोहागपुर विधायक ने बाईराम आश्रम में किया मां का पूजन

सोहागपुर। आध्यात्मिक माँ नर्मदा परिक्रमा यात्रा के पावन दसवें दिवस पर सीहोर जिले के शाहगंज स्थित बांद्राभान (बाईराम आश्रम) पहुंचे सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह ने उत्तरी नर्मदा तट पर प्रातःकाल पूज्य गुरुदेव आचार्य पंडित सोमेश जी परसाई के सान्निध्य में भगवती माँ नर्मदा का विधि-विधान से पूजन किया। साथ ही भगवान शिव का अभिषेक कर भक्तिभाव से आराधना की।आश्रम में विराजमान संत महात्माओं के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद ग्रहण किया तथा गौशाला में गौमाता की सेवा कर पुण्य लाभ कमाया। परिक्रमा यात्रियों के लिए आश्रम परिसर में भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें विधायक श्री सिंह ने स्वयं उपस्थित होकर सभी श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाते हुए उन्होंने आश्रम में पौधारोपण भी किया।कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, बुधनी विधायक श्री रमाकांत भार्गव, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, बीजेपी जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रीति शुक्ला सहित जनप्रतिनिधि, संतजन, परिक्रमावासी, मां नर्मदा भक्त एवं क्षेत्रीय नागरिक शामिल हुए। विधायक ने संबोधित करते हुए कहा, माँ नर्मदा परिक्रमा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, आस्था और पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक है। हमारा कर्तव्य है कि माँ की पावन धारा को हमेशा स्वच्छ, निर्मल एवं अविरल बनाए रखें।अंत में उन्होंने समस्त क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना करते हुए माँ नर्मदा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

नरसिंहपुर के सराफा बाजार में महिला तेल चुराते सीसीटीवी कैमरे में हुई कैद

नरसिंहपुर। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के पटेल वार्ड स्थित सराफा बाजार में एक चोरी की घटना सामने आई है। अंबाजी किराना बाजार से दो महिलाओं ने सुनियोजित तरीके से तेल का एक टीन चुरा लिया। यह पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी कैमरे में जिस तरह से महिलाएं चोरी की वारदात को अंजाम दे रही हैं वे बहुत ही शातिर नजर आ रही हैं।

राज्यसभा सांसद माया नारोलिया बनीं भारत-मेडागास्कर मैत्री समूह की सदस्य

नर्मदापुरम। राज्यसभा सांसद माया नारोलिया को 18वीं लोकसभा के कार्यकाल के लिए भारत-मेडागास्कर संसदीय मैत्री समूह का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह समूह दोनों देशों के बीच संसदीय संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से गठित किया गया है, जिसमें सांसदों के बीच संवाद, सहयोग और अनुभवों का आदान-प्रदान बढ़ावा दिया जाएगा।नियुक्ति पर श्रीमती नारोलिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए गर्व का विषय है और एक महत्वपूर्ण दायित्व भी। भारत और मेडागास्कर के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं कूटनीतिक संबंधों को मजबूत बनाने में इस समूह की अहम भूमिका होगी। श्रीमती नारोलिया ने विश्वास दिलाया कि इस मंच से दोनों देशों के बीच संसदीय संवाद और आपसी समझ को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने पूर्ण निष्ठा से इस जिम्मेदारी निभाने का आश्वासन दिया।

अवैध शराब बिक्री के खिलाफ जिले भर में दो दिन तक चली पुलिस की कार्रवाई

106 प्रकरण किए दर्ज, 186 आरोपियों को भेजा जेल,त्योहार में शांति भंग करने वालों की खैर नहीं

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

जिले में त्योहार के दौरान कहीं आसामाजिक तत्वों, नशेलचियों के कारण रंग में भंग न पड़े इसके लिए पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। अवैध शराब बिक्री के खिलाफ जिले भर में दो दिन तक चली कार्रवाई में पुलिस ने करीब 106 प्रकरण दर्ज कर 186 आरोपियों को जेल भेजा है। करीब 3 लाख रुपए कीमत की कुल 30 पेटी देशी शराब, 500 लीटर कच्ची महुआ शराब एवं 750 पाव अंग्रेजी शराब बरामद की है। वहीं करीब 1500 किलोग्राम महुआ लाहन नष्ट कराया है। जबकि 215 संदिग्धों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। जिले में एसपी डॉ. ऋषिकेश मीना के निर्देशन में होली एवं धुरेड़ी पर्व के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं शांति कायम रखने पुलिस की निरंतर कार्रवाई चल रही है। एएसपी संदीप भूरिया ने बताया कि विशेष अभियान में 139 वारंटो को तामील किया गया, 57 गुंडा बदमाश एवं 45 निगरानी बदमाशों को चेक किया गया। वहीं 219 व्यक्तियों को नोटिस तामील कराए गए, 215 संदिग्धों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। जिले में फ्लैग मार्च एवं विशेष सर्चिंग अभियान चलाते हुए वाहनों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भी सघन जांच की जा रही है। सोशल मीडिया एवं आसमाजिक तत्वों पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर है। संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल तैनात किया जा रहा है।

वाहन की टक्कर से मालवाहक पलटा, 10 बकरियों की मौत

नरसिंहपुर। लंबे समय से खस्ताहाल चल रहे नरसिंहपुर-सागर हाइवे पर सड़क हादसे कम नहीं हो रहे हैं। नरसिंहपुर बायीपास स्थित कपूरी तिराहा के पास बकरियों को लेकर जा रहे एक मालवाहक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे मालवाहक पलटने से उसमें भरीं 10 बकरियों की मौत हो गई जबकि चालक घायल हो गया। घटना की सूचना लगते ही मौके पर लोगों की भीड़ लग गई, पुलिस पहुंची और घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया गया। घटना में बताया जाता है कि रविवार को मालवाहक क्रमांक 22 जेडसी 7974 करीब दो दर्जन बकरा-बकरियों को लेकर सिवनी तरफ जा रहा था। इसी दौरान कपूरी तिराहा के पास वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। मामले में यातायात थाना प्रभारी ममता तिवारी ने बताया कि वाहन फ्यूल भरवाने के बाद गलत दिशा में चल रहा था। इसी दौरान किसी अज्ञात बड़े वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। जिससे लोडिंग वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक गोपाल बंजारा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। वहीं मजदूर संजू बंजारा को मामूली चोटें आई हैं। घटना की वजह से कुछ देर के लिए यातायात पर असर रहा लेकिन पुलिस ने मौके पर जाकर बेरीकेडिंग कराई और यातायात सुचारू कराया। स्टेशनगंज थाना प्रभारी सौरभ पटेल ने बताया कि अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पचमढ़ी में भीषण आग से छावनी गोदाम राख, सेना ने संभाला मोर्चा

नर्मदापुरम। हिल स्टेशन पचमढ़ी के छावनी इलाके में अलसुबह मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस से जुड़े ठेकेदार के गोदाम में भीषण आग लग गई। सुबह करीब 5:30 बजे धुआं और लपटें भड़क उठीं, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। गोदाम में भारी मात्रा में लकड़ी व निर्माण सामग्री होने से आग ने तुरंत विकराल रूप धारण कर लिया।जानकारी मिलते ही सेना के जवान तुरंत मौके पर पहुंचे। जवानों ने मानव श्रृंखला बनाकर टैंकरों व बाल्टियों से पानी की बौछार की। विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण की फायर ब्रिगेड गाड़ियां लगातार आग पर काबू पाने में जुटी रहीं। आग को फैलने से रोकने के लिए जेसीबी से गोदाम का एक हिस्सा तोड़कर फायर ब्रेक बनाया गया। सेना के वरिष्ठ अधिकारी व स्थानीय पुलिस ने पूरे घटनाक्रम पर नजर रखी। राहत की बात यह रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। गोदाम के मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हालांकि, लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया।

बाथरूम की जाली से पटवारी ने बनाए नहा रही नाबालिग छात्रा के वीडियो

किराए से रहकर पढ़ाई करती है नाबालिग छात्रा, लोगों ने पटवारी को पकड़कर पीटा

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

जिले के खिलचीपुर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पटवारी ने अपने ही घर में किराए से रहकर पढ़ाई करने वाली नाबालिग छात्रा के नहाते वक्त वीडियो बना लिए। जब इस बारे में नाबालिग छात्रा को पता चला तो उसने अपने परिजन को पूरी बात बताई। परिजन व अन्य लोगों ने जब पटवारी का मोबाइल चेक किया तो रिसायकल बिन में डिलीट किए हुए नाबालिग के नहाते वक्त बनाए गए दो-तीन वीडियो मिले। इसके बाद परिजन व लोगों ने पटवारी की जमकर पिटाई की, मौके पर पहुंची पुलिस किसी तरह पटवारी को छुड़ाकर थाने ले गई। खिलचीपुर के इमली स्टैंड क्षेत्र में रहने वाले पटवारी महेश साहू (50) के घर में आसपास के गांवों की नाबालिग छात्राएं पढ़ाई के लिए किराए पर रहती हैं। बताया गया है कि एक हफ्ते पहले आरोपी पटवारी महेश साहू की पत्नी राजस्थान के छबड़ा में अपने रिश्तेदार के यहां गई थी। पटवारी घर में अकेला था, शनिवार को जब घर में किराए से रहने वाली एक नाबालिग छात्रा बाथरूम में नहा रही थी तो आरोपी ने बाथरूम की जाली से उसके दो-तीन वीडियो बना लिए। छात्रा ने आरोपी को संदिग्ध हालत में देख लिया था लेकिन उसने तुरंत परीक्षा देने जाने के कारण आरोपी पटवारी से कुछ नहीं कहा। पेपर खत्म होने के बाद उसने पूरी बात अन्य छात्राओं व परिजन को बताई जिसके बाद परिजन आरोपी पटवारी के घर पहुंचे।

गुस्साए परिजन और अन्य लोगों ने जब पटवारी महेश साहू का मोबाइल चेक किया तो उसके मोबाइल के रिसायकल बिन में नाबालिग छात्रा के नहाते वक्त के दो-तीन वीडियो मिले। इसके बाद गुस्साए लोगों ने पटवारी की जमकर पिटाई की और उसके कपड़े तक फाड़ दिए। हंगामे की खबर लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह आरोपी पटवारी को भीड़ से बचाया व पकड़कर थाने लाई। थाना प्रभारी उमाशंकर मुकाती ने बताया कि आरोपी के मोबाइल में नाबालिग छात्रा के नहाते हुए वीडियो मिले हैं। आरोपी के खिलाफ पीड़ित छात्रा की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है।

पार्षद कप क्रिकेट प्रतियोगिता में 14 टीमों ने लिया हिस्सा

इटारसी। दोपहर मेट्रो

रंगों के पर्व होली के पावन अवसर पर वार्ड क्रमांक 8 में इस वर्ष भी बीसीसी क्लब द्वारा आयोजित पार्षद कप क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। हर वर्ष की तरह इस बार भी प्रतियोगिता को लेकर युवाओं और क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। होली के उल्लास के साथ खेल का रोमांच इस आयोजन को और भी विशेष बना रहा है।

प्रतियोगिता के पूर्व रविवार को ट्रॉफियों का इनॉग्रेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर वार्ड 8 की पार्षद ज्योति राजकुमार बाबरिया मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। उनके साथ पासी समाज अध्यक्ष बाबूलाल कैथवास, गंगाराम चौहान, सुंदरलाल बाबरिया, देवेंद्र बाबरिया, रोहित बाबरिया, अजय कश्यप, राकेश बाबरिया, दिलीप बाबरिया एवं आरती बाबरिया, नीतू बाबरिया, नेहा बाबरिया, अरुण बाबरिया, आशा बाबरिया सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम में भाग लेने वाली 14 टीमों के कप्तानों ने अपने-अपने विचार रखे और खेल को खेल भावना से खेलने का संकल्प लिया। इस दौरान पर्ची निकालकर मैचों की रूपरेखा तय की गई। पार्षद ज्योति राजकुमार बाबरिया ने सभी टीमों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द का संदेश देती है। इसी भावना के साथ खिलाड़ी मैदान में उतरें और खेल के माध्यम से एकता का परिचय दें। उन्होंने युवाओं के उत्साह की सराहना करते हुए सफल आयोजन की कामना की। पासी समाज अध्यक्ष बाबूलाल कैथवास ने कहा कि विगत 5 वर्षों से बंगलिया क्षेत्र में पार्षद कप का निरंतर आयोजन किया जा रहा है। वार्ड के युवा इस प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए निरंतर मेहनत करते हैं। खिलाड़ी भी खेल भावना से खेलते हैं, जो पूरे वार्ड के लिए गर्व की बात है। होली के अवसर पर आयोजित यह प्रतियोगिता सामाजिक समरसता को और मजबूत करेगी। आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता के मैच 2 और 3 मार्च को खेले जाएंगे, जिसमें रोमांचक मुकाबले होंगे। होली के उत्सव के बीच वार्ड के खेल प्रेमियों को शानदार मैचों का आनंद लेने का अवसर मिलेगा।

खेत में गिरे बिजली के तार से मासूम की मौत

कुक्षी। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र के ग्राम तालनपुर में रविवार शाम माता-पिता के साथ खेत पर गए 9 वर्षीय मासूम बालक की बिजली के करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम तालनपुर निवासी अविनाश (9 वर्ष), पिता साधु कन्नौज, रविवार देर शाम अपने माता-पिता के साथ खेत पर गया था। जब माता-पिता काम में व्यस्त थे, तब अविनाश पास ही गेंद से खेल रहा था। इसी दौरान खेल-खेल में वह जमीन पर गिरे एक बिजली के तार के संपर्क में आ गया। करंट इतना जोरदार था कि बालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। परिजन उसे कुक्षी के सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मेट्रो एंकर

श्री वस्त्र व्यापार संघ की स्वर्ण जयंती एवं होली मिलन सम्मेलन का हुआ आयोजन

सहभागिता कर संघ की स्थापना करने वाले सदस्यों का किया सम्मान

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

श्री वस्त्र व्यापार संघ सिरोंज के स्वर्ण जयंती महोत्सव एवं वार्षिक होली मिलन (वन भोज) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संघ के 51 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में माधव फार्म हाउस पर आयोजित वस्त्र व्यापार संघ के होली मिलन कार्यक्रम में विधायक उमाकांत शर्मा ने भी मुख्य अतिथि के तौर पर सहभागिता की। इस अवसर पर व्यापारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने व्यापार को समृद्ध बनाने एवं वर्षों पुरानी सिरोंज को जिला बनाने की मांग को पूरा करने के लिए व्यापारियों को सक्षम रूप से आगे का आव्हान करते हुए कहा कि हमारे सिरोंज का व्यापार प्राचीन समय से समृद्ध रहा है।

उन्होंने वस्त्र व्यापार संघ के सफलतम 51 वर्ष पूर्ण होने की व्यापारियों को बधाई देते हुए पूर्ण सहयोग प्रदान करने की बात कही। उन्होंने द्वितीय सत्र में संघ के 51 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित स्वर्ण जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री वस्त्र व्यापार संघ के जीवित संस्थापक सदस्यों रमेश चंद जी गर्ग (वगिया),का शाल श्रीफल साफा बांधकर एवं सम्मान पत्र भेंट कर विधायक उमाकांत शर्मा ने अभिनंदन किया गया। इसके अलावा दो अन्य सदस्य रमेश चंद जी बलेजा,भगवान दास जी मंगल (वासू वाले) के अनुपस्थित रहने के कारण संघ द्वारा उनके निवास पर जाकर सम्मान प्रदान किया जाएगा।

इसके पूर्व सम्मेलन के प्रथम सत्र में संघ के कोषाध्यक्ष कृष्ण गोपाल बिंदल द्वारा 2025 का आय व्यय बजट प्रस्तुत किया तथा व्यापारियों के सुझावों एवं समस्याओं का समाधान किया गया ।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे व्यापार महासंघ सिरोंज के अध्यक्ष अर्पित मित्तल ने सिरोंज से बीना मार्ग के फोर लेन मार्ग की स्वीकृति करवाने के लिए विधायक शर्मा का धन्यवाद देते हुए सिरोंज के व्यापार की उन्नति के लिए भोपाल से सिरोंज होते हुए गुना तक फॉर लेन मार्ग की स्वीकृति करवाने की मांग प्रमुखता के की इसके अलावा सिरोंज के बाजार की पार्किंग,नगर में सुरक्षा की दृष्टि से सीसी टीवी कैमरे सहित अन्य प्रमुख बिंदुओं पर ध्यान आकर्षित कराया। इसके पूर्व श्री वस्त्र व्यापार संघ के अध्यक्ष विकास गर्ग ने विधायक उमाकांत शर्मा एवं मंचासीन अतिथियों का स्वागत सम्मान किया। इस अवसर पर मंच पर विशेष अतिथि के तौर पर संघ के निर्वाचन अधिकारी, एडवोकेट रीतेश अग्रवाल, नपा उपाध्यक्ष मनोज शर्मा,पूर्व महासंघ अध्यक्ष पदम ताम्रकार,सभी व्यापार संघो के अध्यक्षगण, पत्रकार महासंघ के अध्यक्ष रोहिताश्व शर्मा, पार्षद सचिन शर्मा उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन सुमंत मित्तल एवं विष्णु गर्ग ने एवं अंत में आभार संघ के अध्यक्ष विकास गर्ग ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शरद मंगल,अजित हिमथानी, क्रष्ण गोपाल गर्ग, विष्णु मंगल, प्रकाश बंसल, निमिष मंगल,अुनपम सिंहल,निलेश मंगल, सुमंत मित्तल,मुकेश गोयल, राजेन्द् मंगल,महेन्द्र जैन, संजय सोनी,सुलभ गर्ग सहित समस्त वस्त्र व्यवसाई उपस्थित रहे।

प्राकृतिक सौंदर्य

पलाश एवं सेमर के फूलों की बहार

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

फागुन माह में वन परीक्षेत्रों के जंगलों में पलाश एवं सेमर के पेड़ों पर फूलों की अनुपम बहार छा गई है। जंगल क्षेत्र में खिले इन आकर्षक फूलों ने समूचे वातावरण को रंगीन और मनोहारी बना दिया है। दूर-दूर तक फैले पलाश के गहरे केसरिया फूल तथा सेमर के लाल पुष्प प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत कर रहे हैं, जिसे देखने के लिए क्षेत्रवासी एवं प्रकृति प्रेमी बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं।

गर्मी के मौसम की शुरुआत के साथ ही पलाश के फूल विशेष रूप से अपनी चमकदार आभा के कारण सबका ध्यान आकर्षित करते हैं। भारतीय संस्कृति में पलाश का विशेष महत्व है। होली पर्व के अवसर पर प्राचीन समय में जब रासायनिक रंग एवं गुलाल प्रचलन में नहीं थे, तब पलाश के फूलों से प्राकृतिक रंग तैयार कर लोग होली खेलते थे। यह परंपरा पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक जीवन शैली का प्रतीक रही है। इसी प्रकार सेमर के विशाल वृक्षों पर खिले लाल फूल भी जन आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। सेमर के फूल न केवल सौंदर्य बढ़ाते हैं, बल्कि जैव विविधता के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। इन फूलों पर मधुमक्खियां एवं पक्षी बड़ी संख्या में मंडराते देखे जा सकते हैं, जिससे वन क्षेत्र की पारिस्थितिकी संतुलित रहती है। वन विभाग द्वारा क्षेत्रवासियों से अपील की गई है कि वे इस प्राकृतिक धरोहर का संरक्षण करें तथा फूलों एवं वृक्षों को किसी प्रकार की क्षति न पहुंचाएं। वन परीक्षेत्रों में खिले पलाश एवं सेमर के फूल प्रकृति के अद्भुत रंगों का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं, जो आमजन के मन को आनंदित एवं प्रफुल्लित कर रहे।

शिकायत पर मामला दर्ज

सहकारी केंद्रीय बैंक की कृषि शाखा में 10 लाख रुपए का गबन

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

छिंदवाड़ा की जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की कृषि शाखा में करीब चार साल पहले हुए स्पेशल ऑडिट में पौने 9 करोड़ रुपए के गबन का मामला सामने आया था। अब इसी बैंक से जुड़े 10 लाख रुपए के गबन की शिकायत पर ईओडब्ल्यू जबलपुर ने तीन अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

बताया जा रहा है कि यदि बैंक की अन्य शाखाओं और सहकारी समितियों का निष्पक्ष स्पेशल ऑडिट कराया जाए तो करोड़ों रुपए की और गड़बड़ियां सामने आ सकती हैं।

न्यूज विंडो

देवास में खाटू श्याम सेवा समिति ने निकाली भव्य निशान यात्रा

देवास। फाल्गुन माह के उल्लास और होली पर्व की आहट के बीच खाटू श्याम सेवा समिति द्वारा एक भव्य निशान यात्रा का आयोजन किया गया। यह धार्मिक यात्रा शहर के नया पुरा क्षेत्र से शुरू होकर श्री खाटू श्याम मंदिर तक निकाली गई। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्याम भक्त हाथों में पवित्र निशान (ध्वज) थामे पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ शामिल हुए। इस दौरान पूरी यात्रा केसरिया रंग में रंगी रही और लोग हर्ष और उल्लास के साथ झूमते नाचते रहे।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर के बाद किया चक्काजाम और आगजनी

पांढुर्णा। जिले के सतनूर बॉर्डर पर आरटीओ चेक पोस्ट के समीप देर रात बाइक सवार पति-पत्नी को तेज रफ्तार वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी जबरदस्त थी कि दोनों करीब 20 फीट तक घसीटते गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया और उन्होंने सड़क पर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शन रात 8 बजे से रात साढ़े 11 बजे तक चला। गुस्साई भीड़ ने आरटीओ के सरकारी वाहन में तोड़फोड़ की और आग लगाकर विरोध जताया। पुलिस की समझाइश के बाद चक्काजाम खुला।

कान्हा पहुंचे सांसद ने पर्यटन, पानी व बुनियादी सुविधाओं पर उठाए सवाल

मंडला। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने मंडला जिले के कान्हा क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार पर प्रहार करते हुए पर्यटन, पानी और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों पर सवाल उठाए। सिंह ने कलाकारों, बैगा आदिवासियों और मनरेगा श्रमिकों से सीधे संवाद कर उनकी जमीनी समस्याओं को जाना।

तेजगढ़ थाना क्षेत्र की इमलिया चौकी का मामला, सूचना मिलते दमोह एसपी भी मौके पर पहुंचे

चने की आड़ में अफीम की खेती, 3 एकड़ में लगी करोड़ों की फसल जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेजगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत इमलिया चौकी के ग्राम सुहेला, लुकाम मौजा में रामप्रसाद आदिवासी ने चने की फसल के बीचों-बीच अफीम की कर रहा था। अफीम की खेती के विरुद्ध पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की गई है। मुखबिर की सूचना के आधार पर चौकी इमलिया एवं थाना तेजगढ़ पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थल का निरीक्षण किया। जांच के दौरान लगभग ढाई से तीन एकड़ भूमि पर अफीम की फसल पाई गई, जिसमें फल एवं फूल भी लग चुके थे। पुलिस द्वारा मौके पर फसल की विधिवत तस्दीक की गई, जिसके बाद उसे अवैध अफीम की खेती होना पाया गया। अफीम की कीमत करोड़ों में आंकी जा रही है

उक्त अफीम की फसल गांव के मुख्य मार्ग से लगभग 2 किलोमीटर दूर, खेतों के बीचों-बीच अलग-अलग खेतों में 2.5 एकड़ से 3 एकड़ लगाई गई थी। आसपास सरसों, चना एवं गेहूं की फसल भी बड़े क्षेत्र में लगी हुई थी, जिससे अवैध खेती को छिपाने का प्रयास किया गया था पुलिस टीम द्वारा पूरे क्षेत्र का सावधानीपूर्वक निरीक्षण कर साक्ष्य संकलित किए गए। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में अवैध फसल को नष्ट करने की कार्रवाई प्रारंभ की गई। अफीम की फसल को काटकर मजदूरों की सहायता से बोरियों में सुरक्षित भरा जा रहा है। संपूर्ण कार्यवाही वैधानिक प्रावधानों के तहत की जा रही है तथा अनुमान है कि कार्रवाई पूर्ण करने में लगभग एक दिन का अतिरिक्त समय लगेगा। यह संपूर्ण कार्रवाई दमोह पुलिस अधीक्षक श्रुत कीर्ति सोमवंशी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत कुमार भदौरिया के मार्गदर्शन में, तेंदूखेड़ा एसडीओपी सुश्री अर्चना अहीर के नेतृत्व में संपन्न की जा रही है। मौके पर थाना प्रभारी तेजगढ़ अरविंद सिंह ठाकुर एवं चौकी प्रभारी इमलिया अक्षयेंद्रनाथ महाकाल उपस्थित हैं, उनके साथ प्रधान आरक्षक रघुराज सिंह, प्रधान आरक्षक संदीप महोबिया, प्रधान आरक्षक हीरालाल, प्रधान आरक्षक भगवत पटेल, आरक्षक देवराज पटेल, आरक्षक राजन सिंह राजपूत सहित अन्य पुलिस बल मौजूद है। प्रारंभिक जांच में उक्त भूमि रामप्रसाद आदिवासी पिता अमर सिंह उम्र 22 वर्ष निवासी पोड़ी तथा भगत सिंह आदिवासी पिता रम्मू आदिवासी के स्वामित्व/कब्जे की पाई गई है। पुलिस द्वारा एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। दूसरे आरोपी की तलाश जारी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत जांच की जा रही है। दमोह पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की खेती एवं तस्करी के विरुद्ध लगातार सख्त अभियान चलाया जा रहा है। आमजन से अपील है कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, जिससे समय रहते प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके साथ ही जिले में पहली बार बड़ी मात्रा में अफ़ीम की कार्रवाई की गई है। जांच-पड़ताल शुरू होते ही दमोह पुलिस अधीक्षक श्रुत कीर्ति सोमवंशी मौके पर पहुंचे जहां खेतों तक वाहन नहीं पहुंचने के कारण बाइक से खेतों में गए। थाना प्रभारी अरविंद सिंह लोधी ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई है लगभग ढाई एकड़ में अफीम की खेती होना पाया गया है।

सूचना से खुला बड़ा राज

पुलिस सूत्रों के अनुसार, चौकी प्रभारी अक्षयेंद्रनाथ सूर्यवंशी को भगवती मानव कल्याण संगठन से सूचना मिली थी कि ग्राम मुराडी में एक व्यक्ति अपनी निजी कृषि भूमि पर बड़े पैमाने पर अफ़ीम के पौधे उगा रहा है। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया और तत्काल एक विशेष टीम का गठन किया गया। योजनाबद्ध तरीके से दबिश दी गई, पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची तो लगभग 3 एकड़ क्षेत्र में अफीम के हरे-भरे पौधे सुव्यवस्थित कतारों में लगे पाए गए।

NDPS एक्ट के तहत सख्त धाराओं में प्ररकण दर्ज

आरोपी रामप्रसाद गौंड के विरुद्ध NDPS Act की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस अधिनियम के तहत अवैध अफीम की खेती करना गंभीर अपराध है, जिसमें कठोर कारावास और भारी जुर्माने का प्रावधान है पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि क्या इस अवैध खेती के पीछे कोई संगठित गिरोह सक्रिय था। मोबाइल कॉल डिटेल्स आर्थिक लेन-देन और संभावित नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है। संभावना जताई जा रही है कि यह फसल आसपास के जिलों या अन्य राज्यों में सप्लाई की जानी थी।

बाघ की मौत पर डिप्टी डायरेक्टर सिंह को थमाया फिर नोटिस

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में 13 फरवरी को टेरिटरी फाइट में मृत हुए बाघ के मामले में वन विभाग की सुरक्षा व्यवस्था और मॉनिटरिंग दावों की पोल खोल दी है। इस मामले में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख विजय कुमार नामदेव अम्बाडे ने कड़ा रुख अपनाते हुए टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश कुमार सिंह को दोबारा नोटिस जारी किया है। उनके इस तेवर से स्पष्ट है कि वे बाघ की मौत को लेकर डिप्टी डायरेक्टर सिंह द्वारा दी गई दलीलों से संतुष्ट नहीं हैं

करीब 15 दिन पहले कान्हा टाइगर रिजर्व से नौरादेही (अब वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व) लाए गए एक सैटेलाइट कॉलर वाले बाघ की आपसी संघर्ष में मृत्यु हो गई थी। नियमतः रेडियो कॉलर वाले बाघों की 24 घंटे मॉनिटरिंग अनिवार्य है लेकिन, इस मामले में गंभीर लापरवाही सामने आई जब बाघ की मौत की खबर मिलने में 48 घंटे से अधिक का समय लग गया 26 फरवरी 2026 को जारी नोटिस में पीसीसीएफ अम्बाडे ने स्पष्ट रूप से लिखा है कि स्थानीय अमले द्वारा घोर लापरवाही को छिपाने का प्रयास किया गया है। बाघ की लोकेशन 13 फरवरी 2026 से एक ही स्थान पर मिल रही थी, फिर भी मॉनिटरिंग टीम उसे देखने नहीं गई। 48 घंटे बाद जब टीम मौके पर पहुँची, तब तक बाघ की मौत हो चुकी थी। रिपोर्ट के अनुसार, बाघों के संघर्ष की गूंज 1-2 किलोमीटर तक सुनाई देती है, जिसे स्थानीय कर्मचारियों ने अनसुना कर दिया।

आरटीआई एक्टिविस्ट और वन्यजीव विशेषज्ञ अजय दुबे ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि 'लाखों की लागत वाले सैटेलाइट रेडियो कॉलर और विशेष मॉनिटरिंग टीमों के बावजूद बाघ का दो दिनों तक मृत पड़ा रहना अक्षम्य है'। दुबे ने यह भी आरोप लगाया कि वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अपने अधीनस्थों को बचाने की कोशिश की जा रही है, जो टाइगर रिलोकेशन प्रोजेक्ट के लिए घातक है। इससे पहले 23 फरवरी को डिप्टी डायरेक्टर रजनीश कुमार सिंह द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण को पीसीसीएफ ने गैर-समाधानकारक माना है। नए नोटिस में उन पर अधीनस्थ कर्मचारियों की लापरवाही पर पर्दा डालने का सीधा आरोप लगाया गया है और तत्काल प्रभावी कार्रवाई कर सूचित करने के निर्देश दिए गए हैं। यहां बता दें कि राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की गाइडलाइन के अनुसार कॉलर पहने बाघ की सतत निगरानी की जाए। उसके कॉलर को भी इस तरह से प्रोग्राम्ड किया गया है कि अगर उसके शरीर में 4-6 घंटे से अधिक समय तक कोई हरकत नहीं दिखे तो तत्काल उसकी खोजबीन करना चाहिए। वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश सिंह ने बताया कि बाघ की मौत के मामले में तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है, जो पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है समिति को वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से उठाए गए सवाल व शंकाओं से भी अवगत कराया है। जल्द ही जांच रिपोर्ट के बाद कार्रवाई की जाएगी

बाइक पर 9 लोग सवार, पुलिस कर रही बाइक सवार की तलाश

कटनी। कटनी के बरही इलाके से लापरवाही का एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसे देखकर आप भी हैरान हो जाएंगे। यहां एक बाइक पर दो-तीन नहीं, बल्कि पूरे 9 लोग सवार होकर सड़क पर फर्राटा भर रहे थे। पुलिस अब इस बाइक सवार की तलाश में जुट गई है। हालांकि इसका वीडियो मिल गया है,वीडियो में साफ दिख रहा है कि बाइक पर बैठने की बिल्कुल जगह नहीं है। चालक के आगे टंकी पर बच्चे बैठे हैं, तो पीछे की सीट पर महिलाएं और बच्चे एक-दूसरे से चिपककर बैठे हुए हैं।

मेट्रो एंकर

भाजपा जिला कार्यकारिणी एक साल बाद घोषित, विरोध के स्वर भी

सभी वर्गों और अनुभवी को स्थान दिया: तिवारी

सागर। दोपहर मेट्रो

भाजपा की जिला की कार्यकारिणी एक साल के बाद घोषित कर दी गई। सोशल मीडिया पोस्ट कर इसे जारी किया। कार्यकारिणी घोषित होने के बाद विरोध के स्वर भी फूट पड़े। बहुप्रतीक्षित कार्यकारिणी श्याम तिवारी के जिलाध्यक्ष बनने के 1 साल 1 माह बाद घोषित हुई है। कार्यकारिणी में शामिल कई नामों को लेकर विरोध भी उपज रहा है।

बताया जा रहा है कि निगम चुनाव में बागी हुए और पार्टी से निष्कासित किए गए चेतराम अहिरवार को जिला महामंत्री बनाया गया है। यह बात अलग है कि विधानसभा चुनाव के समय अहिरवार की पार्टी में वापसी हो गई थी। इसके अलावा सांसद प्रतिनिधि पद से हटाए गए बीना के संतोष ठाकुर को भी जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। ठाकुर ने नाबालिग से मारपीट की थी। सूची जारी होने के बाद वे कार्यकर्ता निराश हैं जो लंबे समय से अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। इस मामले में भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी कार्यकारिणी में सभी वर्ग और अनुभवी को स्थान देने की बात कह रहे हैं। बहरहाल सूची जारी होने के बाद पार्टी में हलचल देखी जा रही है।

पिछले कार्यकाल में कार्यालय मंत्री रहे और फिर से कार्यालय मंत्री के रूप में रिपीट हुए देवेंद्र कटारे ने भी कार्यकारिणी सूची पर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने सोशल साईट पर लिखा आज फिर चमचों- चापलूसों की जीत हो गई, संगठन की तीसरी आंख फूट गई। मैं पार्टी के निर्णय से पूर्णतः निराश और असंतुष्ट हूं। इसके अलावा कार्यकारिणी में विधानसभा क्षेत्रों में ग्रामीण जैसा संतुलन नहीं दिखा. नवनियुक्त 35 पदाधिकारियों में से 15 सागर विधानसभा के हैं इसे सागर विधायक शैलेंद्र जैन का जिला भाजपा में दबदबा बताया जा रहा है. जिला ग्रामीण भाजपा 3 विधानसभा क्षेत्र (रहली,बंडा,देवरी) की कार्यकारिणी में 22 पदाधिकारियों में से देवरी से 8 व रहली-बंडा से 7-7 पदाधिकारी शामिल किए थे।

कार्यकारिणी में जिला उपाध्यक्ष-जगनाथ गुरैया, मनीष चौबे, संतोष ठाकुर, निकेश गुप्ता, शैलेंद्र श्रीवास्तव,विक्रम सोनी,यश अग्रवाल,पुष्पेंद्र परिहार, जिला महामंत्री-चेतराम अहिरवार चैन, सिंह ठाकुर, सुमित यादव, जिला मंत्री-जयंती मौर्य,अर्जुन पटेल,संध्या भार्गव,हरिशंकर कुशवाहा,सविता साहू,ऑफिसर यादव,राहुल वैध आसमा जैन, कोषाध्यक्ष-विकास सांधेलिया, सह कोषाध्यक्ष, सुषमा यादव,सुमित्रा इंद्र कुमार राय। कार्यालय मंत्री- देवेंद्र कटारे, सह कार्यालय मंत्री-भूपेंद्र नामदेव,सपना कुर्मी, जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन, सह मीडिया प्रभारी आलोक केसरवानी,कपिल कुशवाहा साहब राज यादव। सोशल मीडिया संयोजक अंशुल परिहार, सहसंयोजक जय सोनी,तृप्ति बाबू सिंह। आईटी विभाग संयोजक बाल किशन सोनी नियुक्त किए गए।

निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ दायित्व निभाएंगे: तिवारी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, संभागीय प्रभारी गौरव रणदिवे और जिला प्रभारी लोकेन्द्र पाराशर की सहमति से भाजपा की जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई. 35 सदस्यीय कार्यकारिणी में नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। यह टीम संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और उसे और अधिक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे. उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन विस्तार के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

फर्जी डॉक्टर को पकड़ा, दवाइयां भी की जब्त

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

जिले के बोलेगांव में स्वास्थ्य और प्रशासनिक टीम ने एक डॉक्टर के क्लीनिक पर छापा मारा। टीम ने लखनादौन निवासी परमिंदर सिंह को बिना किसी मान्यता प्राप्त डिग्री और शासकीय अनुमति के ग्रामीणों का उपचार करते हुए पकड़ा। यह कार्रवाई कुंवरलाल बापुरे के निवास पर संचालित क्लीनिक में की गई। बताया गया है कि परमिंदर सिंह पिछले कुछ समय से हर रविवार को यहां आकर मरीजों का इलाज कर रहा था। कार्रवाई के दौरान क्लीनिक में लगभग 100 से 150 लोग उपचार के लिए मौजूद थे।

समाचार पत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण

घोषणा
फार्म-4

1.	प्रकाशन स्थान	भोपाल
2.	प्रकाशन अवधि	दैनिक
3.	मुद्रक का नाम क्या भारत का नागरिक है पता	राजेश सिरोठिया हां ई-6/8, चार इमली भोपाल
4.	प्रकाशक का नाम क्या भारत का नागरिक है पता	राजेश सिरोठिया हां ई-6/8, चार इमली भोपाल
5.	संपादक का नाम क्या भारत का नागरिक है पता	अनिल शर्मा हां 182, ए शाहपुरा भोपाल
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों	

मैं राजेश सिरोठिया एतद् द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

हस्ताक्षर
राजेश सिरोठिया
(प्रकाशक के हस्ताक्षर)

टीम इंडिया सेमीफाइनल में, धैर्य और साहस का दूसरा नाम बना संजू सैमसन

न्यूजीलैंज के खिलाफ सीरीज में नहीं चल पाए थे संजू

टीम से बाहर हुए, लेकिन नहीं खोया धैर्य जब भी वापसी की तो मचा दिया तहलका

कोलकाता, एजेंसी

क्रिकेट सिर्फ रन और रिकॉर्ड का खेल नहीं होता, यह इंतजार, संघर्ष और आत्मविश्वास की परीक्षा भी होता है। संजू सैमसन की कहानी इसी जज्बे की मिसाल है। टी20 विश्वकप से ठीक पहले प्लेइंग-11 से बाहर होना, न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में बल्ला नहीं चलने पर आलोचनाओं का सामना करना, ये सब किसी भी खिलाड़ी का मनोबल तोड़ सकते थे, लेकिन संजू ने हार नहीं मानी। उन्होंने चुपचाप अपने खेल पर काम किया, धैर्य रखा और सही मौके का इंतजार किया।

टी20 विश्वकप के दौरान जब बाकी भारतीय बल्लेबाज फेल हुए तो आवाज उठी एक नाम को मौका देने की- वह नाम है संजू सैमसन। संजू को जब दोबारा मौका मिला तो उन्होंने बल्ले से ऐसा जवाब दिया कि आलोचक भी तालियां बजाने पर मजबूर हो गए। उनकी वापसी सिर्फ रन बनाने की कहानी नहीं है, बल्कि यह आत्मविश्वास, संयम और साहस की जीत है। संजू सैमसन ने दिखा दिया कि अगर इरादे मजबूत हों तो हर ठोकर सिर्फ आगे बढ़ने की ताकत देती है।टी20 विश्वकप से ठीक पहले ईशान किशन की वापसी ने संजू के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी थीं। न्यूजीलैंज के खिलाफ सीरीज में संजू का बल्ला खामोश रहा। ऐसे में टीम मैनेजमेंट ने टी20 विश्वकप में ईशान के साथ अभिषेक को ओपनिंग की जिम्मेदारी दे दी। ऐसा लगा कि संजू के लिए दरवाजे बंद हो गए हैं। हालांकि, कहते हैं भगवान के घर में देर है अंधेर नहीं। संजू के साथ भी कुछ वैसा ही हुआ।

जब वापसी की, तो दुनिया देखती रह गई

टी20 विश्वकप के पहले मैच में संजू बेंच पर बैठे। फिर नामीबिया के खिलाफ ग्रुप स्टेज मैच में उन्हें खेलने का मौका मिला। वहां उन्होंने 8 गेंदों में 22 रन बनाकर अपनी आक्रामक क्षमता दिखाई थी। इसके बाद फिर अभिषेक की वापसी हुई और संजू प्लेइंग-11 से बाहर हो गए। हालांकि, फिर टीम इंडिया की बल्लेबाजी में कमजोरी उजागर हुई। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 मुकाबले में भारतीय टीम की बल्लेबाजी एक्सपोज हो गई। टीम मैनेजमेंट ने फिर बदलाव करते हुए जिम्बाब्वे के खिलाफ संजू को मौका दिया और संजू ने इस मौके को सही साबित किया है। उन्होंने दिखा दिया कि उनमें काफी ताकत है। जिम्बाब्वे के खिलाफ भले ही संजू 15 गेंद में 24 रन बना सके, लेकिन उन्होंने अभिषेक के साथ मिलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई।

वेस्टइंडीज के सामने संजू ने दिखाया दम

फिर मौका आया करो या मरो मैच का, जहां टीम इंडिया के सामने वेस्टइंडीज की टीम थी। वही वेस्टइंडीज की टीम जिसने 2016 टी20 विश्वकप में भारत को सेमीफाइनल में हराकर बाहर किया था। वही, वेस्टइंडीज जो इस विश्वकप के ग्रुप स्टेज में अजेय रही थी। भारत और वेस्टइंडीज में जो जीतता, वो सेमीफाइनल में पहुंचता। ऐसे अहम मुकाबले में संजू ने अपनी काबिलियत और अनुभव का परिचय दिया और भारत को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। टीम इंडिया को 196 रन का लक्ष्य मिला तो सबकी उम्मीदें अभिषेक 10 और ईशान 10 पर टिकी थीं। हालांकि, भारत ने 41 रन पर इन दोनों के विकेट गंवा दिए। इस मौके पर संजू ने अपना साहस दिखाया और पहले सूर्यकुमार यादव, फिर तिलक वर्मा, फिर हार्दिक पांड्या और आखिर में शिवम दुबे के साथ मिलकर टीम इंडिया को जीत दिलाई और सेमीफाइनल में जाना तय कर दिया।

शुरू से अंत तक टिके रहे संजू सैमसन

संजू ने सूर्या के साथ 58 रन, तिलक के साथ 42 रन, हार्दिक के साथ 38 रन और शिवम दुबे के साथ 20 रन की अटूट साझेदारी की। संजू के अलावा कोई बल्लेबाज 30 से ज्यादा रन नहीं बना पाया। भारत ने 19.2 ओवर में पांच विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल किया (199 रन बनाए)। इनमें से 97 रन अकेले संजू के थे, जिससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि उनकी पारी कितनी प्रभावशाली थी।

क्वार्टर फाइनल द संजू शो

टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को हराकर टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है।चैंपियन टीम इंडिया ने इस तरह लगातार तीसरी बार और कुल छठी बार इस टूर्नामेंट के सेमीफइनल में प्रवेश किया है।दरअसल टीम इंडिया अगर इस तथाकथित क्वार्टर फाइनल में वेस्टइंडीज को हरा सका तो इसके पीछे सबसे बड़ा योगदान सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन का है।सही मायने में संजू सैमसन की इस पारी ने टी20 फ़ॉर्मेट के सभी तरह के समीकरण बदल कर रख दिये।टॉस जीतने के बाद ओस व टीम की दमदार बल्लेबाजी की वजह से बड़े मुकाबले में कप्तान का चेस करने का फार्मूला सही साबित करने में सैमसन ने अहम किरदार निभाया।संजू की पारी की खासियत यह रही कि उन्होंने पारी की शुरुआत से एक छोर से मोर्चा संभाले रखा और अंत तक ठीके रहते हुए टीम को सेमीफाइनल में पहुंच दिया। टी20 वर्ल्ड कप के नजरिये से सफल चेस के लिए उनकी 97 रनों की अविजित पारी टीम इंडिया की सबसे बड़ी पारी रही है।मतलब साफ है कि किसी भी बड़े टूर्नामेंट के करो-मारे वाले बड़े मैच का दवाब झेलने में संजू ने अपनी काबलियत बता दी है।सैमसन की मैच विजयी पारी की खासियत यह रही कि एक छोर से लगातार विकेट गिरने के बावजूद उनका स्ट्राइक रेट लगभग वही रहा,जिसकी दरकार टीम इंडिया को जीत के लिए थी,हालांकि उनकी सफल चेस पारी में तिलक वर्मा की छोटी लेकिन दमदार भूमिका भी रही है। फिर भी जिस बखूबी से सैमसन ने स्कोरबोर्ड प्रेशर को काबू में रखा वह उनकी बल्लेबाजी की परिपक्वता को दर्शाता है।सच तो यह है कि संजू सैमसन की इस पारी ने टीम मैनेजमेंट ओर कप्तान के सभी फैसलों को सही साबित कर दिया है।अगर हम सैमसन की इस पारी की बात करें तो फिर उनकी पारी देखकर किंग कोहली की याद ताजा हो गयी।वजह एकदम साफ है कि इस बल्लेबाज ने टीम को बीच मझधार में कतई नहीं छोड़ा।सच तो यह है कि 196 रनों का पीछा करते हुए संजू पहली गेंद से ही आत्मविश्वास से भरे दिखे और उन्होंने टीम इंडिया को जीत दिलाकर ही सांस ली। टीम इंडिया की गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह के रोल को भी नकारा नहीं जा सकता।टीम इंडिया की ओर से जसप्रीत बुमराह सबसे सफल गेंदबाज रहे।एक ओवर में उनके द्वारा 2 विकेट लेने की वजह से वेस्टइंडीज टीम बल्लेबाजी में बैकफुट पर आ गयी थी।वैसे इस बात में कोई शक नहीं कि टीम इंडिया की इस जीत में सभी खिलाड़ियों का छोटा ही सही लेकिन किसी न किसी रूप में अहम रोल रहा है।गेंदबाजी में जहां बुमराह,अक्षर,वरुण अर्शदीप और हार्दिक ने निराश नहीं किया,जबकि बल्लेबाजी में सूर्या, तिलक,हार्दिक और शिवम ने छोटी ही सही पर अपनी भूमिका तो दर्ज की ही है।अब देखना यह दिलचस्प रहेगा कि सेमीफाइनल में इंग्लैंड के सामने टीम इंडिया का शो मैन कौन रहता है,क्योंकि टीम इंडिया का सामना अब 5 मार्च को दूसरे सेमीफाइनल मैच में इंग्लैंड से होगा।खैर यह सब तो हाल फिलहाल में भविष्य के गर्त में छिपा है और जो सच है वह बस यही कि टीम इंडिया का क्वार्टर फाइनल मैच सिर्फ और सिर्फ संजू शो कहा जा सकता है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

टी20 विश्वकप से बाहर होने के बाद श्रीलंका के कोच सनथ जयसूर्या पद से देंगे इस्तीफा

पल्लेकेले , एजेंसी

टी20 विश्व कप 2026 की सह-मेजबान श्रीलंका का सफर समाप्त हो गया। आखिरी मुकाबले में उसे पाकिस्तान ने पांच रन से हरा दिया। हालांकि, इस जीत से पाकिस्तान को कुछ खास लाभ नहीं हुआ और वह भी बाहर ही हो गई। अब श्रीलंका टीम के मुख्य कोच सनथ जयसूर्या ने अपने पद से इस्तीफा देने का एलान किया है।

इस साल जून में खत्म हो रहा जयसूर्या का अनुबंध- श्रीलंका पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच सनथ जयसूर्या अपने पद से इस्तीफा देंगे। हालांकि, उन्होंने इस बारे में क्रिकेट श्रीलंका (एसएलसी) को कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी है। टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ करीबी हार के साथ श्रीलंका के अभियान

के समाप्त होने के बाद पोस्ट-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में जयसूर्या ने बताया कि उनका मूल अनुबंध जून 2026 तक था। उन्होंने कहा, मेरा अनुबंध जून में खत्म हो रहा है, लेकिन मैं उससे पहले चला जाऊंगा। मैं श्रीलंका क्रिकेट से बात करके अपना पद छोड़ने का फैसला करूंगा। संभावना है कि वह 13 मार्च से शारजाह में शुरू हो रही अफगानिस्तान के खिलाफ द्विपक्षीय टी20 और वनडे सीरीज तक टीम के साथ बने रह सकते हैं।

कैसा रहा कार्यकाल?

- जयसूर्या ने 2024 टी20 विश्व कप के तुरंत बाद श्रीलंका के मुख्य कोच का पद संभाला था।
- उनके कार्यकाल के शुरुआती महीनों में टीम ने कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं।
- अगस्त 2024 में श्रीलंका ने 27 साल बाद भारत के खिलाफ वनडे द्विपक्षीय सीरीज जीती।
- इसके बाद सितंबर में टीम ने द ओवल में टेस्ट मैच में जीत दर्ज की, हालांकि सीरीज गंवा दी थी।
- इसी वर्ष श्रीलंका ने घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड को टेस्ट सीरीज में 2-0 से हराया।

फेयरवेल वनडे में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली का तूफान

98 गेंदों में जड़े 158 रन, भावुक हुए मिचेल स्टार्क

होबार्ट , एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली ने अपने आखिरी ओडीआई मुकाबले को ऐतिहासिक बना दिया। रविवार होबार्ट के बेलेरिव ओवल में भारत के खिलाफ तीन मैचों की विमेंस ओडीआई सीरीज के आखिरी मुकाबले में उन्होंने 98 गेंदों में 158 रन ठोक दिए। एलिसा ने अपनी इनिंग्स में 27 चौके और 2 छक्के लगाए, जबकि स्ट्राइक रेट 161।22 का रहा। यह उनके ओडीआई करियर का 8वां शतक रहा। एलिसा हीली की यह विस्फोटक पारी सालों तक याद रखी जाएगी। इस खास पल के गवाह बने उनके पति और ऑस्ट्रेलिया के स्टार तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी बने। जब हीली ने शतक लगाया, तो स्टार्क कमेंट्री बॉक्स में मौजूद थे। हीली ने तीन अंकों का आंकड़ा छुआ, तो कमेंट्री कर रहे स्टार्क की आवाज में

भावनाएं साफ झलक रही थीं। उनका रिएक्शन सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और फैन्स ने इस पल को क्रिकेट का सबसे खूबसूरत लम्हा बताया।

मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी चुनी।जब हीली बल्लेबाज़ी के लिए उतरीं, तो भारतीय खिलाड़ियों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया। यह पल दर्शकों के लिए बेहद भावुक और खास था। इसके बाद हीली ने क्लास दिखाते हुए धुआंधार पारी खेली, जिसके चलते ऑस्ट्रेलियाई टीम ने विशाल स्कोर खड़ा किया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस मुकाबले में निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 409 रन बना डाले। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बेथ मूनी ने भी नाबाद 106 रनों का योगदान दिया।

अब सोफी मनोलिक्स संभालेंगी टीम की कमान

35 साल की एलिसा हीली ने इस साल जनवरी में ये घोषणा की थी कि वो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेंगी। भारत के खिलाफ वनडे सीरीज 50 ओवर्स के क्रिकेट में उनका आखिरी असाइनमेंट रहा, जबकि पर्थ में भारत के खिलाफ ही होने वाला टेस्ट उनका अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। हीली की जगह ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम की कप्तानी तीनों फॉर्मेट में सोफी मोलिनक्स संभालेंगी। एलिसा हीली और मिचेल स्टार्क साल 2016 में शादी के बंधन में बंधे थे। इस जोड़ी ने मिलकर कुल 11 विश्व कप खिताब जीते हैं। हीली की यह ऐतिहासिक इनिंग्स ना सिर्फ

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

टूटी शादी-स्टारडम पर लगा दाग!

विवादों में फंसी ईरानी हसीना, निसार खान को भारत छोड़ने का मिला था फरमान

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और ईरान से जुड़ी हर खबर इन दिनों सुर्खियों में है. इसी बीच एक नाम फिर चर्चा में आ गया है- ईरानियन-नार्वेयन एक्ट्रेस नेगार (निगार) खान. कभी ग्लैमर और विवादों के कारण खबरों में रहने वाली नेगार की जिंदगी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं रही. उनके जिंदगी में भूचाल तब आया जब उन्हें भारत से डिपोर्ट कर वापस उनके देश भेज दिया गया था.

नेगार खान को भारत में पहचान तब मिली, जब उन्होंने क्लासिक हिंदी गाने चढ़ती जवानी मेरी चाल मस्तानी के रीमिक्स म्यूजिक वीडियो में काम किया। अपने बोल्ड अंदाज और स्क्रीन प्रेजेंस से उन्होंने रातों-रात सुर्खियां बटोरीं। ग्लैमर वर्ल्ड में उनकी एंट्री ने उन्हें चर्चा का केंद्र बना दिया।

फरवरी 2005 में नेगार उस समय बड़े विवाद में घिर गईं, जब उन पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए वर्क वीजा हासिल करने का आरोप लगा। बताया गया कि वो टूरिस्ट वीजा पर भारत में काम कर रही थीं। इसके बाद उन्हें भारत से डिपोर्ट कर नॉर्वे भेज दिया गया। उस वक्त नेगार और उनके एक्स-पति साहिल खान ने दलील दी थी कि उनकी शादी के आधार पर नेगार भारतीय नागरिकता की हकदार हैं। लेकिन कानूनी पेचीदगियों के चलते उन्हें देश छोड़ना पड़ा।

हो चुका है तलाक

नेगार की निजी जिंदगी भी कम उतार-चढ़ाव भरी नहीं रही। उन्होंने स्टाइल फिल्म फेम एक्टर साहिल खान से शादी की थी, लेकिन यह रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं चल सका। कपल का दो साल में ही तलाक हो गया था। माना गया कि वीजा विवाद और कानूनी परेशानियों के दौर में ही दोनों के रिश्ते में दूरियां बढ़ने लगीं। हालांकि दोनों ने कभी खुलकर एक-दूसरे पर आरोप नहीं लगाए। आज जब ईरान एक बार फिर वैश्विक राजनीति के केंद्र में है, तब नेगार का नाम भी लोगों को उनके उस दौर की याद दिला रहा है, जब वो भारतीय ग्लैमर इंडस्ट्री का चर्चित चेहरा हुआ करती थीं।

ऑन स्क्रीन तन्वी को मिल रहे सम्मान से खुश हैं अनुपम , पर्दे के पीछे की मेहनत का किया जिक्र

हिंदी सिनेमा के अभिनेता अनुपम खेर और उनके द्वारा निर्देशित पहली फिल्म तन्वी द ग्रेट के लिए साल 2025 से 2026 तक शानदार रहा है। अभिनेता की फिल्म बैक-टू-बैक अवॉर्ड जीत रही है। अब फिल्म में लीड रोल निभाने वाली एक्ट्रेस शुभांगी पर भी अभिनेता ने प्यार लुटाया है और उनकी मेहनत और धैर्य को सलाम भी किया है।

शुभांगी ने फिल्म तन्वी द ग्रेट में ऑटिज्म से पीड़ित लड़की का रोल प्ले किया। जिसके लिए उन्हें अलग-अलग अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। अब अभिनेत्री ने अपनी मेहनत और अदाकारी के बलबूते पर जी सिने अवॉर्ड भी हासिल किया है।

अनुपम खेर ने इतने सारे अवॉर्ड जीतने के बाद अभिनेत्री को बधाई देते हुए प्यारा सा पोस्ट भी लिखा है। अनुपम का कहना है कि ऑटिज्म से पीड़ित लड़की का रोल निभाने के लिए शुभांगी ने बहुत मेहनत की है और उन्हें उसी मेहनत का फल मिल रहा है। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर लिखा, मेरी प्यारी शुभांगी ! उत्कृष्ट प्रदर्शन पुरस्कार जीतने पर आपको हार्दिक बधाई ! मैंने हमेशा तुमसे कहा है कि मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती। इसमें समय लग सकता है, यह तुम्हारे धैर्य की परीक्षा ले सकती है, आंसू और दृढ़ता की मांग कर सकती है... लेकिन इसका फल हमेशा मिलता है। और आज, यह सबसे खूबसूरत तरीके से फल दे रही है।÷ उन्होंने हौसला बढ़ाते हुए आगे लिखा, तन्वी के रूप में आपके समर्पण, आपकी ईमानदारी और आपके साहस ने दिलों को छू लिया है। यह पुरस्कार सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं है !

मेट्रो बाजार

विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार में दमदार वापसी; फरवरी में 22,615 करोड़ निवेश किए

मुंबई। भारतीय बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की फरवरी में दमदार वापसी हुई है। इस दौरान उन्होंने 22,615 करोड़ रुपए का निवेश किया है। यह बीते 17 महीनों में विदेशी निवेशकों की ओर से आया सबसे अधिक मासिक प्रवाह है। इससे पहले लगातार तीन महीने विदेशी निवेशक शुद्ध विक्रेता थे। भारत-अमेरिका के अंतरिम व्यापार समझौते, घरेलू बाजार के मूल्यांकन में सुधार और तीसरी तिमाही में कंपनियों के मजबूत नतीजों जैसे सकारात्मक घटनाक्रमों से नए सिरे से खरीदारी को बल मिला। इस नए आत्मविश्वास ने हाल ही में हो रही निकासी के ट्रेंड को पलटने में मदद की। डिपॉजिटरी से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, जनवरी में एफपीआई ने 35,962 करोड़ रुपए, दिसंबर में 22,611 करोड़ रुपए और नवंबर में 3,765 करोड़ रुपए निकाले थे। बीते पूरे वर्ष (2025) में विदेशी निवेशक शुद्ध विक्रेता रहे थे और इस दौरान उन्होंने 1.66 लाख करोड़ रुपए (18.9 अरब डॉलर) की निकासी की थी। इस निकासी की वजह मुद्रा में अस्थिरता, वैश्विक व्यापार तनाव, अमेरिका द्वारा संभावित टैरिफ को लेकर चिंताएं और शेयरों के उच्च मूल्यांकन था। फरवरी में विदेशी निवेशकों का निवेश सितंबर 2024 के बाद सबसे अधिक है, जब विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों में 57,724 करोड़ रुपए का निवेश किया था। इससे पहले, एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि मुद्रा अस्थिरता कम होने के बाद भारतीय शेयरों में विदेशी निवेश में उछाल आने की उम्मीद है।

अमेरिका-ईरान जंग से कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली। अमेरिका-ईरान जंग से अगर होर्मुज जलडमरूमध्य प्रभावित होता है तो कच्चे तेल की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है। वहीं, अगर यह बड़े क्षेत्रीय संघर्ष में बदलता है तो यह कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकता है। यह जानकारी रविवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

जेएम फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशनल सिक्योरिटीज की रिपोर्ट में कहा गया कि फिलहाल ब्रेंट क्रूड की कीमत 72.8 डॉलर प्रति बैरल के करीब है और एक सीमित जवाबी हमले से कीमतें 5-10 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ सकती हैं और ईरानी ऑयल इन्फ्रास्ट्रक्चर को नुकसान होने से कच्चे तेल की कीमतें 10-12 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ सकती हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि कच्चे तेल की कीमत में प्रति 1 डॉलर की वृद्धि से भारत का वार्षिक आयात बिल लगभग 2 अरब डॉलर बढ़ जाता है, जिससे व्यापार संतुलन पर दबाव पड़ता है। वैश्विक तेल प्रवाह का लगभग 20 प्रतिशत होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है और भारत के कच्चे तेल आयात का 40 प्रतिशत से अधिक इसी मार्ग से होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि निकट भविष्य में शेयर बाजार के आय-आधारित व्यापार से तेल-आधारित ट्रेडिंग की ओर बढ़ने की संभावना है। ब्रोकरेज फर्म का अनुमान है कि ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र को अपेक्षाकृत समर्थन मिल सकता है, जबकि तेल से प्रभावित क्षेत्र जैसे तेल वितरक कंपनियों, पेंट, टायर, विमानन और केमिकल सेक्टर दबाव का सामना कर सकते हैं।

हमलों की जद में ईरान के कई शहर

पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। अमेरिका और इस्त्राइल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ईरान पर हवाई हमले किए थे, जिनमें ईरान के कई शहर निशाने पर आए। आज फिर ईरान की राजधानी तेहरान के विभिन्न हिस्सों में लगातार जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गई हैं। साथ ही जगह-जगह धुंए के गुबार नजर आ रहे है। हालात लगातार बदल रहे हैं और क्षेत्र में संभावित बड़े संघर्ष का खतरा बढ़ गया है। नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता जारी है।

खामेनेई की मौत पर प्रदर्शन के बाद देशभर में सख्ती

लाल चौक सील: 2 दिन स्कूल-कॉलेज बंद, घंटाघर इलाके में पाबंदियां लागू

नई दिल्ली, जम्मू, एजेंसी

कश्मीर घाटी भर में हो रहे प्रदर्शनों को देखते हुए जम्मू और कश्मीर सरकार ने एहतियात के तौर पर आज से दो दिनों के लिए शिक्षण संस्थानों को बंद करने का निर्णय लिया है। शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने कहा कि छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने एहतियात के तौर पर स्कूलों और सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को बंद करने का निर्णय लिया है। मंत्री इटू ने कहा कि हमने स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को दो दिनों के लिए बंद रखने का निर्णय लिया है।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई की हमले में मौत से आक्रोशित लोगों ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में तस्वीरें, पोस्टर, बैनर और ईरानी झंडे लेकर अमेरिका और इस्त्राइल के खिलाफ प्रदर्शन किया। कारगिल-द्रास में बड़ी संख्या में शिया व सुन्नी दोनों समुदाय के लोग प्रदर्शन में शामिल हुए।जम्मू-कश्मीर में शिया समुदाय के बड़े धार्मिक संगठन अंजुमन-ए-शरी शियान ने प्रदेश में 40 दिन के शोक का एलान किया है। श्रीनगर में लाल चौक पर शिया समुदाय के हजारों लोग इकट्ठा हो गए। यहां शाम तक प्रदर्शन, शोक सभा और अजादारी होती रही। वहीं, अब प्रदर्शनों के चलते कश्मीर के कुछ हिस्सों में कई पाबंदियां लागू कर दी गई हैं।

लाल चौक, सैदा कदल, बडगाम, बांदीपोरा, अनंतनाग और पुलवामा में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। विरोध को रोकने के लिए लाल चौक इलाके को प्रशासन ने सील कर दिया है। घंटाघर (क्लॉक टॉवर) के आसपास भी सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई हैं। अधिकारियों ने बताया यह फैसला संवेदनशील इलाकों में शांति बनाए रखने के लिए उठाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों को इकट्ठा होने से रोकने के लिए शहर भर में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिए हैं ताकि कानून व्यवस्था बनी रहे। उन्होंने कहा कि शहर में आने वाले जरूरी चौराहों पर तार और बैरिकेड लगाए गए हैं। घाटी के दूसरे जिलों में शिया बहुल इलाकों में भी इसी तरह की पाबंदियां लगाई गई हैं।

दिल्ली में शिया समुदाय का अमेरिका-इज़राइल विरोध प्रदर्शन: नई दिल्ली के ओखला विहार इलाके में शिया समुदाय ने अमेरिका और इस्राइल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए अमेरिकी और इस्राइली नेताओं (डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू) के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया जताई। स्थानीय लोगों के अनुसार, प्रदर्शन शांतिपूर्ण था, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों ने हालात पर नजर बनाए रखी। इस मौके पर प्रदर्शनकारियों ने खामेनेई के प्रति समर्थन और अमेरिका-इस्राइल के हमलों की निंदा भी की।

ईरान पर हमले से भारत में हिंसा भड़कने का डर, गृह मंत्रालय ने राज्यों को पत्र लिखकर किया आगाह

ईरान पर अमेरिका और इजरायल की नॉनस्टॉप स्ट्राइक जारी है। इस बीच भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने राज्यों को पत्र लिखकर आगाह किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्यों को पत्र लिखकर ईरान पर इजरायल-अमेरिका के हमलों के मद्देनजर भारत में संभावित हिंसा के प्रति आगाह किया है। पत्र में 2 राज्यों से 'भड़काऊ उपदेश देने वाले ईरान समर्थक कट्टरपंथी उपदेशकों' की पहचान करने को कहा गया था। जानकारी के मुताबिक, गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों को पत्र लिखा है। पत्र में मध्य पूर्व एशिया में चल रहे युद्ध के बाद भारत में कई स्थानों पर हो रहे प्रदर्शनों को लेकर आगाह किया है। प्रदर्शनों के हालात में कानून व्यवस्था पर नजर बनाए रखने की जरूरत की बात कही गई है।

पेज 1 से जारी ...

ऐसी अराजकता पर जिम्मेदारी से कैसे बच सकते हैं मंत्री ?

इसमें कोई शक नहीं कि नई शिक्षा नीति और शिक्षा के विस्तार के कार्यक्रमों पर पीएमओ का ध्यान रहता है। लेकिन सामान्य कामकाज, नियुक्तियां, पाठ्यक्रमों समें समावित लेखों की नगिरानी का दायित्व क्या शिक्षा मंत्री का नहीं है? शिक्षा का तंत्र देश की सामाजिक-आर्थिक प्रगति की रीढ़ होती है। शिक्षा मंत्रालय ही केंद्रीय विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा और शोध को बढ़ावा देते हैं। लेकिन आज शिक्षा तंत्र एक गहन संकट से जूझ रहा है । यह बात सही है कि देश में 56 केंद्रीय विश्वद्यिालयों में से 14 में कुलपति के पद रिक्त हैं जिनकी नियुक्ति राष्ट्रपति की सिफारिश से की जाती है। लेकिन बाकी में भूमिका तो केंद्रीय शिक्षा मंत्री और उनके करीबी कारिंदों की है ।

फरवरी 2026 तक 45-46 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर के काफी तादाद में खाली होने की रिपोर्ट है। कुल स्वीकृत लगभग 18,951 शिक्षण पदों में से, लगभग 4,889 से 5,182 पद खाली चल रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि सभी कुलपतियों और कुलसचिवों की रिक्तियों को चार महीने के भीतर भरा जाए। शिक्षा मंत्राल ने 2022 से अब तक केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों आईआईटी ,आईआईएम में मिशन मोड में 17,000 से अधिक फैकल्टी पद भरे गए हैं, लेकिन सेवानिवृत्ति और छात्रों की बढ़ती संख्या के कारण रिक्तियां अभी भी बनी हुई हैं। इसकी जवाबदेही तो शिक्षा मंत्रालय की है। सवाल यह है कि वह इसमें क्या कर रहा है?

जहां तक आठवी की समाजिक विज्ञान की पुस्तक में अदालतों में पेडिंग केस तथा भ्रष्ट न्यायापालिका से जुडे विवाद का प्रश्न है तो सीजीआई सूर्यकांत ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने माफी को नाकाफी मानते हुए कहा कि इस बात की गहराई से पड़ताल हो कि यह पुस्तक में यह पाठ किसने डाला। किताब कैसे छपी ? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ताब में शामिल अध्यायों को प्रकाशित कराने और उसे साझा करने वालों के खिलाफ सख्त तेवर दिखाए हैं। इस मामले मिं अगली सुनवाई 11 मार्च को होगी । मुख्य न्यायाधीश को लगता है कि ये बड़ा कैलकुलेटेड मूव है, जिसमें भारतीय न्यायपालिका को भ्रष्ट बताया गया । जस्टिस बागची ने कहा कि डिजिटल युग में एक किताब की हज़ारों प्रतियां बन गई होंगी । यह कैसे किया गया, यह जानना जरूरी है।

शिक्षा मंत्री औपचारिक बयान में यह कहकर अपना पल्ला नहीं छड़ा सकते कि उनके मन में न्यायपालिका का पूरा सम्मान है। भला कोर्ट इस तरह की औपचारिकता को कैसे स्वीकारेगा ? चौंकाने वाला पहलू तो यह है कि इस पूरी गफलत के जिम्मेदारों का ब्यौरा मंत्रालय के रिकार्ड में दर्ज है । यवाल यह है कि फिर कोर्ट या प्रधानमंत्री से यह क्यों छुपाया गया? कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक किसी एक लेखक की नहीं, बल्कि निदेशक , सलाहकार समिति ,विषय विशेषज्ञ , संपादक ,अकादमिक परिषद की संयुक्त सलाह से बनती हैं। जानकार सूत्रों के अनुसार पूर्व संस्करणों में अध्यक्ष प्रो. हरी वासुदेवन (इतिहासकार) , मुख्य सलाहकार प्रोफेसर नीलाद्रि भट्टाचार्य (इतिहास) , प्रोफेसर एमएच कुरैशी (भूगोल/क्षेत्रीय विकास अध्ययन) ,प्रो. सरदा बालगोपालन (सामाजिक विज्ञान शिक्षा) रहे हैं। टेक्स्ट बुक डेवलपमेंट कमेटी सदस्य (पूर्व संस्करणों) के क्रेडिट पृष्ठों में उल्लिखित प्रमुख नाम हैं -अनिल सेठी ,अंजलि खुल्लर , अर्चना प्रसाद, जानकी नायर, प्रभु मोहापात्रा, रामचंद्र गुहा ,संजय शर्मा , तनिका सरकार , तपति गुहा ठाकुरता, स्मिता सहाय भट्टाचार्य , सरोज शर्मा , इंदु शर्मा , के. जया और अपराजिता डे । इनमें से कुछ के वामपंथी क्रांतिकारी विचारों को सब जानते हैं । हैरतनाक तो यह है कि वर्तमान सरकार और उसकी नई शिक्षा नीति पर भगवाकरण के आरोप अक्सर लगते हैं। यह तोहमत लगाने वाले भी वही वामपंथी विचारक है जो पाठ्यक्रम को तैयार करने वालों में शरीक हैं।

असल में समस्या यह है कि शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान या कुछ मंत्री अपनी राजनीतिक गतिविधियों में व्यस्त रहते हैं । वे अपने मंत्रालयों पर अधिक समय देने की जहमत नहीं उठाते । उनका फोकस अपने विभाग की बजाए सिर्फ राजीनतिक समारोहों , सभाओं और अपने डिजिटल प्रचार तक सीमित है। इसके चलते देश के दर्जनों संस्थानों की गतिविधियों की सुध लेने की फुर्सत भी नहीं है। वह केवल प्रधानमंत्री के चेहरे का लाभ लेना चाहते हैं। उम्मीद की जाए कि प्रधानमंत्री की नाराजगी और आक्रोश के बाद शायद मंत्रियों को अपनी जिम्मेदारी का बोध हो।

न्यूज विंडो

दिल्ली आबकारी नीति: सीबीआई की याचिका पर 9 को सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली की आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने राउज एवेन्यू कोर्ट के उस फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा कुल 23 आरोपियों को आरोपमुक्त किया था। याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में 9 मार्च को सुनवाई होगी। सीबीआई ने अपनी 974 पेज की लंबी याचिका में निचली अदालत के फैसले को चौंकाने वाला और गैरकानूनी करार दिया है। एजेंसी का कहना है कि ट्रायल कोर्ट ने महत्वपूर्ण सबूतों को नजरअंदाज किया और जांच में सामने आए तथ्यों पर सही से विचार नहीं किया। याचिका में दावा किया गया है कि आबकारी नीति में साजिश रचकर कुछ निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने का मामला स्पष्ट था, लेकिन निचली अदालत ने इसे नजरअंदाज कर दिया। मामला 2021-22 की दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से जुड़ा है, जिसे आप सरकार ने लागू किया था, लेकिन भ्रष्टाचार, रिश्वत और कार्टेलाइजेशन के आरोपों के बीच जुलाई 2022 में ही रद्द कर दिया गया था।

जबलपुर में रफ्तार का कहर अलग-अलग हादसों में 3 की मौत

जबलपुर। जबलपुर शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई। कोतवाली थाना क्षेत्र के शीतलपुरी बल्देवबाग के पास तेज रफ्तार मोटरसाइकिल चला रहे सत्येंद्र विश्वकर्मा (21) निवासी शांति नगर की बाइक सड़क किनारे खड़ी कार के पीछे से टकरा गई। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।भेड़ाघाट थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर की चपेट में आने से 14 वर्षीय बालक की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार ग्राम बिलखरवा निवासी विकास गौड़ (14) अपने साथी सोनी ठाकुर के साथ खेल रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से मौत हो गई। पाटन थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर का पहिया चढ़ जाने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक साहू मोहल्ला निवासी मनोज साहू (44) अपने परिचित सौरभ साहू के साथ मोटरसाइकिल से रंग-गुलाल खरीदने पाटन गए थे। ट्रैक्टर चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

दिल्ली के कई स्कूलों को फिर मिली बम की धमकी, ई-मेल से मचा हड़कंप

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के स्कूलों को बम धमकी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। आज एक बार फिर कुछ स्कूलों को ईमेल के जरिए धमकी दी गई है। दिल्ली स्थित सरदार पटेल विद्यालय समेत कई स्कूलों में आज फिर बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल आया। जिसके बाद बाद हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पुलिस को सूचना दी गई और सुरक्षा एजेंसियों की टीमें तुरंत हरकत में आ गईं। स्कूलों में बम निरोधक दस्ते और पुलिस के जवान पहुंच गए हैं और सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

फिलहाल, दिल्ली पुलिस की टीमें और बम निरोधक दस्ता स्कूलों के अंदर और आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान चला रहा है। बच्चों और कर्मचारियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए, कई स्कूलों को एहतियात के तौर पर खाली कराया गया है। छात्रों और शिक्षकों को शांत रहने और सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और धमकी भरे कॉल के स्रोत का पता लगाने का प्रयास कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या यह किसी संगठित गिरोह का काम है या किसी व्यक्ति विशेष द्वारा फैलाई गई अफवाह।

जालंधर: स्कूल को उड़ाने की धमकी, बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला

जालंधर। पंजाब के जालंधर जिले के रामा मंडी स्थित स्कूल एपीजे को बम से उड़ाने की धमकी मिली। आरोपितों ने आतंकी संगठनों का नाम लेकर स्कूल को उड़ाने की धमकी दी है। हालांकि, यह किसी आतंकी संगठन की तरफ से आया है, यह अभी साफ नहीं हुआ। सूचना मिलते ही स्कूल में दहशत फैल गई। सारे बच्चों को और स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। पुलिस जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि एपीजे स्कूल सहित कई अन्य स्कूलों को भी इस संबंध में थ्रेट ईमेल आई है, लेकिन अभी तक बाकी स्कूलों में जानकारी कंफर्म नहीं हो पाई है। इस समय फाइनल परीक्षाएं चल रही है, ऐसे में स्कूलों के साथ-साथ विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों में भी एक बार फिर से डर का माहौल सा बन गया है।

बेटे ने मां-बाप, बहन और दादी को कुल्हाड़ी से काट डाला, जमीन विवाद में की हत्या

बहराइच, एजेंसी

जिले में होली से पहले खूनी होली खेली गई। पिता द्वारा बेची गई जमीन व गहने के पैसे न मिलने से नाराज बेटे ने अपने मां-बाप, दादी व बहन की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी।सो रहे अन्य परिवारजन शोर शराबा सुनकर घर के आंगन में पहुंचे तो देखा कि चार लाशें खून से लथपथ पड़ी है। चारों ओर से घिरा देख आरोपी खुद पर भी ईट से हमला कर जान देने की कोशिश की।

गंभीर हालत में उसे बहराइच से लखनऊ के ट्रामा सेंटर को रेफर किया गया है घटनास्थल का एसपी ने निरीक्षण किया। रुपईडीहा इलाके के बसंतपुर रुदल में रात करीब 12:30 बजे जब पूरा गांव गहरी नींद में था, तब गांव निवासी बदलूराम के घर से उठी चीख-पुकार ने सन्नाटे को चीर दिया। बदलूराम का बेटा निरंकार पिता द्वारा बेची गई जमीन व गहने का पैसा न देने की बात को लेकर विवाद कर रहा था। बात इतनी बढ़ गई कि निरंकार अपना आपा खो बैठा और पास में रखी कुल्हाड़ी से पिता पर हमला कर मौत ज घाट उतार दिया। बदलूराम को बचाने दौड़े उसकी 56 वर्षीय पत्नी संजू देवी, बेटी पार्वती व 80 वर्षीय मां सिताला को भी कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दिया। रात में शोर शराबा सुन गांव के ग्रामीण बदलूराम के घर पहुंचे तो देखा कि आंगन में चार लार लाशें बिछी हुई हैं। खुद को ग्रामीणों से घिरा देख निरंकार ने भी अपने सिर पर ईंट से हमला कर आत्महत्या करने की कोशिश की, लेकिन लोगों ने उसे बचा लिया।

पुलिस ने निरंकार को हिरासत में लेकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया। यहां से उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया। घटनास्थल का पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह ने निरीक्षण किया। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डीपी तिवारी ने बताया कि फोरेन्सिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए हैं। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मेट्रो एंकर

36 साल से पान ही पहचान, दिल छू लेगी राजू चौरसिया की कहानी

सेट बिजनेस फिर भी एमपी-यूपी के मेलों में बेचते 10 रुपए का पान

लखनऊ, एजेंसी

आज हम आपको एक ऐसे शख्स की कहानी बता रहे हैं, जिनके पास मकान है, गाड़ी है, अच्छा-खासा कारोबार है... लेकिन फिर भी वो आज तक पान की गुमटी नहीं छोड़ी। महोबा के रहने वाले राजू चौरसिया 36 साल से पान बना रहे हैं। लाखों की संपत्ति होने के बाद भी छोटे-छोटे मेलों में खुद बैठकर 10 रुपए का पान लगाते हैं और बड़े प्यार से लोगों को खिलाते हैं।

राजू चौरसिया बताते हैं कि उन्होंने 15 साल की उम्र में पान बनाना शुरू किया था। साल 1989 से यह सिलसिला चल रहा है। उस समय एक पान अठ्ठनी यानी 50 पैसे में बिकता था। वो कहते हैं कि जिस धंधे ने मुझे बड़ा किया, मेरा घर चलाया, उसे मैं कैसे छोड़ दूं? आज उनके पास मकान, मोटर गाड़ी सब है। बच्चे भी अपने-अपने बिजनेस में लगे हैं, लेकिन राजू जी आज भी मेलों में पान की दुकान जरूर लगाते हैं।

यूपी से एमपी तक लगती है दुकान

राजू महोबा (उत्तर प्रदेश) के रहने वाले हैं, लेकिन छतरपुर (मध्य प्रदेश) के मेलों में खास तौर पर पान की गुमटी लगाने आते हैं। लोगों को

जैसे ही खबर मिलती है कि राजू चौरसिया की दुकान लगी है, वे अपने दोस्तों के साथ पान खाने पहुंच जाते हैं। 36 सालों में उन्होंने सिर्फ ग्राहक नहीं, रिश्ते कमाए हैं।

राजू के पान का स्वाद है लाजबाव

राजू के पान का स्वाद अलग ही होता है। वो बताते हैं कि उनके पान में नारियल गरी, सौंफ, सुपारी, करोंदा का मीठा मसाला, गुलकंद, गुलाब पत्ती और खास 'गोपाल की चटनी' डाली जाती है। देसी पान और बांग्ली पान दोनों 10 रुपए में मिल जाते हैं। देसी पान थोड़ा बड़ा होता है, लेकिन स्वाद दोनों का लाजवाब।

अब बड़ा कारोबार, फिर भी नहीं टूटा रिश्ता

आज राजू पूजा-पाठ सामग्री के थोक व्यापारी भी हैं। उनके बेटे सीमेंट-सरिया का बिजनेस करते हैं। शहर में मकान और महंगी कार है, लेकिन पान से रिश्ता अब शौक बन चुका है। वो कहते हैं अब पान बेचना मजबूरी नहीं, दिल की खुशी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564